राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 07 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–256 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संजय सिंह का अब सवालों से सामना, ईडी ने सांसद के 3 करीबियों को भी कर लिया तलब

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब ईडी ने उनके तीन करीबियों को तलब किया है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके तीन करीबियों को तलब किया है। संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा, विवेक त्यागी और कंवरबीर सिंह को ईडी ने पेश होने को कहा है। सर्वेश मिश्रा आज ही जांच एजेंसी के सामने हाजिर हो सकते हैं। संजय सिंह को दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया गया है। इस साल मई में ईडी ने संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुछ दस्तावेज और मोबाइल फोन मिले थे, जिससे इनका लिंक शराब घोटाले से जुड़ता दिखा था। गुरुवार को संजय सिंह की रिमांड मांगते हुए ईडी ने कोर्ट को बताया था कि संजय सिंह को दिनेश अरोड़ा ने उनके घर पर दो किश्तों में 2 करोड़ रुपए दिए थे। ईडी ने इस दौरान सर्वेश का नाम लिया। ईडी के वकील ने कहा था कि रिश्वत की रकम संजय सिंह के घर पर उनकी तरफ से सर्वेश मिश्रा ने ही ली थी। जांच एजेंसी का दावा है कि संजय सिंह के पीए रहे विवेक त्यागी को आरोपी अमित अरोड़ा की कंपनी में हिस्सेदारी दिलाई गई थी। दिनेश अरोड़ा के दावों की जांच के लिए ईडी अब संजय सिंह को सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी के सामने बिठाकर तीनों से पूछताछ कर सकती है। ईडी सूत्रों के मुताबिक सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी के अलावा कुछ और लोगों को अगले 2-3 दिनों में बुलाया जा सकता है।

ओबीसी राजनीति में बैकवर्ड नहीं रहेगी कांग्रेस, अब कर्नाटक में बड़ा फैसला; निकायों में 33 फीसदी आरक्षण मंजूर

कांग्रेस ने अगले सप्ताह कार्यसमिति की बैठक भी बुलाई है। इसमें ओबीसी आरक्षण पर विचार हो सकता है। इसके अलावा कर्नाटक में हुए जातीय सर्वे की रिपोर्ट को जारी करने का भी फैसला हो सकता है

नई दिल्ली। बिहार में हुए जातीय सर्वे का असर अब देश भर की राजनीति पर दिखने लगा है। कांग्रेस ने भी इस मामले में कदम आगे बढ़ाते हुए पूरे देश में जातीय जनगणना कराने की मांग की है। यही नहीं खुद भी इस दिशा में पहल करते हुए कर्नाटक के स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए 33 फीसदी आरक्षण का ऐलान किया है। उसने जस्टिस के. भक्तवत्सल कमिशन की सिफारिशों को मंजूर करते हुए यह फैसला लिया। राज्य सरकार ने आयोग की 5 में से तीन सिफारिशों को मान लिया है। कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में इस कमिशन का गठन पिछड़ों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर विचार करने के लिए किया गया था।

आयोग ने बसवराज बोम्मई सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा, भक्तवत्सल कमिशन ने 5 सिफारिशें दी थीं। कैबिनेट ने इनमें से तीन को मंजूर कर लिया है। इनमें से एक यह भी है कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए 33 फीसदी आरक्षण को बनाए रखा जाएगा। फिलहाल बैकवर्ड क्लास में भी ए और बी कैटिगरी है। दोनों को मिलाकर ही 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी सीटों का आरक्षण 50 फीसदी की सीमा को पार नहीं कर पाएगा।

यही नहीं खुद भी इस दिशा में पहल करते हुए कर्नाटक के स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए 33 फीसदी आरक्षण का ऐलान किया है। उसने जस्टिस के. भक्तवत्सल कमिशन की सिफारिशों को मंजूर करते हुए यह फैसला लिया। राज्य सरकार ने आयोग की 5 में से तीन सिफारिशों को मान लिया है। कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में इस कमिशन का गठन पिछड़ों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर विचार करने के लिए किया गया था।

बता दें कि कांग्रेस पार्टी ने अगले सप्ताह कार्यसमिति की बैठक भी बुलाई है। इसमें ओबीसी आरक्षण पर विचार हो सकता है। इसके अलावा कर्नाटक में हुए जातीय सर्वे की रिपोर्ट को जारी करने का भी फैसला हो सकता है। इस मामले में कांग्रेस काफी आक्रामक है और वह मानकर चल रही है कि ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने की मांग से फायदा मिल सकता है। भले ही बिहार और यूपी में वह सहयोगी दलों की पिछलग्गू है, लेकिन कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उसे फायदे की उम्मीद है। यही वजह है कि वह इस मामले में आक्रामक है। कार्यसमिति की बैठक में भी इसे लेकर अहम फैसला हो सकता है।

ट्यूशन जा रही हिंदू छात्रा पर मुस्लिम 'अंकल' ने किए तलवार से 9 वार

लड़की के पिता का दोस्त है हमलावर

मोदीनगर (गाजियाबाद)। गाजियाबाद के मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में गुरुवार शाम ट्यूशन जा रही नौवीं क्लास की एक 16 वर्षीय छात्रा पर एक मुस्लिम व्यक्ति ने जान से मारने की नीयत से बीच सड़क पर तलवार से ताबड़तोड़ नौ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। छात्रा की चीखें सुनकर बचाने आए लोगों ने आरोपी को पकड़कर जमकर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। हमलावर छात्रा के पिता का दोस्त है। अभी घटना के कारण का पता नहीं चल सका है। घटना के बाद से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस आरोपी को मेडिकल के लिए अस्पताल ले जा रही थी तो वह रास्ते में पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने लगा। उसने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की, जिसके बाद पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी निवासी संजय उपाध्याय अपनी पत्नी नीरू और तीन बेटियों के साथ रहते हैं। वह रंगाई-पुताई का काम करते हैं। संजय की 15 वर्षीय बेटी दिव्या कॉलोनी में ही एक टीचर के पास ट्यूशन पढ़ने के लिए जाती है। गुरुवार शाम वह ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकली तो रास्ते में पीछे से एक व्यक्ति आया और उसने लड़की पर तलवार से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। तलवार से सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में ताबड़तोड़ वार से दिव्या बुरी तरह लहूलुहान हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, दिव्या के शरीर पर हमले के नौ निशान हैं। सिर, गर्दन और हाथ में गंभीर घाव हैं। कोहनी की हड्डी में फ्रैक्चर भी है। बताया गया कि छात्रा पर हमला करने वाला आरोपी शौकीन, संजय उपाध्याय के मकान के सामने ही रहता है और संजय के साथ ही काम करता है। इस संबंध में डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र यादव ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना की वजह जानने का प्रयास किया जा रहा है।

आरोपी को पकड़कर लोगों ने पीटा- तलवार से छात्रा पर हमला होने के बाद चीख-पुकार मच गई। लोगों ने आरोपी शौकीन को पकड़कर पहले उसकी जमकर धुनाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। शौकीन ने तलवार को पास के ही तालाब में फेंक दिया।

कांग्रेस के जाति कार्ड की काट बीजेपी ने की तैयार! 'मिशन 2024' के लिए बनाया ये प्लान

नई दिल्ली। नीतीश कुमार और लालू यादव की गठबंधन सरकार ने बिहार में जाति सर्वे के आंकड़ों को जारी कर एक बड़ा चुनावी दांव खेल दिया है. समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी उत्तर प्रदेश में यही मांग कर रहे हैं. कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की पुरजोर मांग करते हुए जितनी आबादी, उतना हक का नारा देकर यह साफ कर दिया कि विपक्षी गठबंधन इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने जा रहा है. इसे देश में मंडल पार्ट-2 की राजनीति के नए दौर के रूप में भी देखा जा रहा है. 2024 में लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीतने की तैयारियों में जुटी बीजेपी विपक्षी गठबंधन के मंडल पार्ट-2 की राजनीति को मात देने के लिए नए सिरे से कमंडल पार्ट-2 की राजनीति को भी शुरू कर सकती है.

BJP विपक्षी दलों को हराने के लिए हिंदू वोटरों को एकजुट करने के मिशन में जुट गई है. बीजेपी के दो शीर्ष नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस रणनीति पर काम करना शुरू भी कर दिया है और आने वाले दिनों में बीजेपी इसे लेकर कई अहम कदम भी उठा सकती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर यह आरोप लगाया कि कांग्रेस हिंदुओं को बांटने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नया राग अलापना शुरू किया है- जितनी

आबादी, उतना हक. इससे साफ है कि वो देशवासियों में आपसी खाई और बैर-भाव बढ़ाना चाहती है. सच्चाई ये है कि अगर हक की बात करनी ही है, तो वे कहेंगे कि इस देश के संसाधनों पर पहला हक भारत के गरीबों का है. मोदी के लिए गरीब सबसे बड़ी आबादी है. दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ बैठक कर राज्य में लागू किए जाने वाले यूसीसी (समान नागरिक संहिता) को लेकर चर्चा की.

धामी और शाह की बैठक में क्या हुआ?

बताया जा रहा है कि शाह और धामी की बैठक के दौरान उत्तराखंड सरकार की ओर से यूसीसी को लेकर गठित की गई विशेषज्ञों की समिति की अध्यक्ष रंजना देसाई और समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे. सूत्रों की माने तो बैठक में इस साल के अंत तक राज्य में यूसीसी लागू करने और इससे जुड़े विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई. दरअसल, BJP यूसीसी को लेकर उत्तराखंड को एक उदाहरण के रूप से टेस्ट केस बनाना चाहती है और फिर इससे मिले अनुभवों के आधार पर बीजेपी शासित अन्य राज्य भी आगे बढ़ेंगे. BJP को यह लगता है कि विपक्षी दल अल्पसंख्यक समुदाय की बात कहते हुए यूसीसी का जितना विरोध करेंगे, देश भर में हिंदू वोटर उतने ही एकजुट होंगे. BJP के पास तीसरा सबसे बड़ा मुद्दा या यूं कहें कि उपलब्धि अयोध्या में बन रहा भगवान राम का भव्य मंदिर है. इस मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले वर्ष जनवरी 2024 में कर सकते हैं. लेकिन, BJP इस मंदिर को लेकर देशभर के कई शहरों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने की भी योजना बना रही है.

मुंबई में 7 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 7 की मौत; 45 घायल

मुंबई। गुरुवार की रात मुंबई के गोरेगांव में आजाद नगर की एक सात मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस घटने में अब तक 7 लोगों की मौत की सूचना है। दिल दहला देने वाले हादसे में 45 लोग घायल हो गए हैं। उनमें से कुछ ही हालत गंभीर बताई जा रही है। आपको बता दें कि आग करीब रात के ढाई बजे लगी। घायलों का पास के अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की 10 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया है।

आग लगने के कारणों की अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्किंग इलाके में रखे पुराने कपड़ों में आग लगी। आग ने पहले पहली और फिर दूसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। बिल्डिंग की पार्किंग में रखे कार और मोटरसाइकिल को भी नुकसान पहुंचा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक, आग गोरेगांव के एमजी रोड स्थित जय भवानी बिल्डिंग में लगी थी। पांच जंबो वॉटर टैंकर, एक टर्न टेबल सीढ़ी और एक एम्बुलेंस

4 कार और 30 से अधिक बाइक जलकर खाक हो गए हैं।

31 घायलों को एचबीटी ट्रॉमा अस्पताल और 15 को कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक, आग ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद दुकानों और ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में फैल गई। इमारत की मंजिलों और छत पर लोग फंसे हुए थे। सुबह करीब 6 बजे तक आग बुझ गई। को घटनास्थल पर भेजा गया।

नोट के बदले वोट: उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नोट के बदले वोट मामले में 1998 के फैसले पर पुनर्विचार पर अपना फैसला गुरुवार को सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत मामले के रूप में जाना जाने वाले इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत के 1998 के फैसले में कहा गया था कि सांसदों और विधायकों को सदन में मतदान या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोजन

से छूट प्राप्त है। शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय पीठ ने इसी फैसले पर पुनर्विचार के लिए सुनवाई पूरी की। शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय पीठ के समक्ष के सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि रिश्वतखोरी कभी भी छूट का विषय नहीं हो सकती है। श्री मेहता ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों का उद्देश्य निडर होकर विधायी कर्तव्य का पालन करना है। उन्होंने कहा कि एकमात्र सवाल यह है कि क्या रिश्वतखोरी को इस विशेषाधिकार या छूट के तहत रखा जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि शायद एक और पहलू हो सकता है, जिससे यह न्यायालय विचार करे कि क्या रिश्वतखोरी को छूट या विशेषाधिकार द्वारा संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 1998 के फैसले में किसी भी बहुमत या अल्पसंख्यक ने इस नजरिये से इस मुद्दे की जांच नहीं की।

पीठ ने कहा कि जिस स्थान पर अपराध हुआ है और चाहे वह भाषण/मतदान से पहले का हो या उसके बाद का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। पीठ ने पूछा कि क्या होगा यदि मान लीजिए कि रिश्वत देने का समझौता सदन के भीतर ही हो जाता है।

इस पर केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि विधायिका के विभिन्न कार्यों के संबंध में भाषण या आचरण, जहां निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेते हैं, वह संरक्षित है।

श्री वेंकटरमणी ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि को बिना किसी बाधा या अनुचित परिश्रम और दबाव के विधायी कार्य करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि के कार्यालय का इतना उपयोग नहीं किया जाएगा कि विश्वास और इसके महत्व को कम किया जा सके।

सिक्किम की बाढ़ में बहे सेना के 6 जवानों के मिले शव, 16 अभी भी लापता; सर्च ऑपरेशन जारी

गंगटोक। सिक्किम के ल्होन्क झील के पास बादल फटने से मौतों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है, इनमें छह सैनिक भी शामिल हैं। इनके शव पश्चिम बंगाल में बरामद किए गए हैं। 16 सैनिक सहित 100 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। उन्हें ढूंढने के लिए तलाशी अभियान तेज हो गया है। अबतक 2500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने गुरुवार को भी बुरी तरह प्रभावित सिंगतम इलाके का दौरा किया। राहत कार्य के बीच सेना ने सिंगतम इलाके के पास बुरदंग से मलबे में दबे सेना के कई वाहनों को निकाला गया। सेना ने बताया कि लापता जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। सिक्किम और उत्तरी बंगाल में तैनात जवान पूरी तरह से सुरक्षित हैं। नेटवर्क की दिक्कत के कारण वे अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और लापता लोगों की तलाश के लिए वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। वायुसेना ने बताया कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एमाई हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार तीस्ता नदी का जलस्तर लगातार बारिश के कारण बढ़ रहा है। ऐसे में खतरा बरकरार है।

निचले इलाकों में जवानों की तलाश

अधिकारियों ने जानकारी दी कि सेना के जवानों की तलाश जारी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाढ़ के तेज बहाव में सेना के सभी जवान निचले इलाकों में बह गए हों। इसे ध्यान में रखकर निचले इलाकों में सेना, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें तलाशी अभियान में जुटी हैं। रक्षा प्रवक्ता ले. कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि बीआरओ की मदद से राहत और बचाव कार्य जारी है। पीड़ितों की मदद के लिए 18 राहत कैंप चलाए जा रहे हैं।

जल सैलाब से मची भारी तबाही-बाढ़ से मनगान जिले में 11 ब्रिज, नामची और गैंगटोक में एक-एक ब्रिज बह गया है। इसी तरह पानी की पाइपलाइन भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार चार प्रभावित जिलों में 277 से अधिक घर पूरी तरह ताबह हो गए हैं। चुंगतांग गांव बाढ़ से 80 फीसदी तक प्रभावित हुआ है। यहां का लाइफलाइन कहा जाने वाला एनएच-10 भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिला अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को स्थिति पर नजर रखने को कहा है।

एनएचपीसी के दो पॉवर प्रोजेक्ट प्रभावित-बादल फटने की घटना के बाद तीस्ता बेसिन से संचालित होने वाले एनएचपीसी के दो पॉवर प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं। जानकारी के अनुसार 510 और 500 मेगावाट के दो प्लांट को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसी तरह तीस्ता वी पॉवर स्टेशन को बंद कर दिया गया है। बाढ़ में ऊर्जा संयंत्रों को भारी नुकसान हुआ है। इस कारण कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति भी बाधित है। संयंत्रों को कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन किया जा रहा है।

स्थिति को लेकर हुई आपात बैठक

प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए उत्तरी सिक्किम के हालात को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। इसमें पीड़ितों को हर संभव मदद दिलाने का निर्देश दिया गया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि हालात को लेकर वो लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। बुरी तरह से प्रभावित इलाकों में मदद के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है।

पर्यटकों की मदद में त्रिशक्ति कॉर्प्स

सेना के त्रिशक्ति कॉर्प्स के जवान प्रभावित इलाकों में मोबाइल सेवा को दोबारा शुरू कराने की कोशिश में जुटे हैं। रिपोर्ट के अनुसार चुंगथांग, लाचुंग, लाचेन में सबसे ज्यादा पर्यटक फंसे हैं। इनको मदद के लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है। राज्य का पर्यटन विभाग भी पर्यटकों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सेना कठिन और दुर्गन रास्तों से होकर पीड़ितों तक मदद पहुंचाने के अभियान में जुटी है।

संपादकीय

क्रिकेट पर निगाह

भारत में एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप का आगाज हो गया। क्रिकेट में बीसीसीआई के वर्चस्व के बावजूद यहां विश्व कप के अवसर कम ही आते हैं, इसलिए ऐसा अवसर हर लिहाज से खास बन जाता है। गुरुवार, 5 अक्तूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू हुआ टूर्नामेंट 19 नवंबर तक चलेगा। डेढ़ महीने से ज्यादा चलने वाले इस आयोजन में न सिर्फ मैदान पर उलटफेर की संभावना रहेगी, समाज और बाजार में भी क्रिकेट का रंग बिखरेगा। भारत में क्रिकेट की पहुंच गली-गली तक है और दुनिया में कहीं भी क्रिकेट हो, उसके दर्शक भारत में मिल जाते हैं। भारत का मुकाबला रविवार को जब ऑस्टेलिया से होगा, तब पूरे देश की नजरें क्रिकेट पर केंद्रित हो जाएंगी। देश के दस शहरों का माहौल निश्चित ही बदलने वाला है। दस टीमों के बीच मुकाबला है और ताज किसी एक के सिर सजना है। यह गौर करने की बात है कि पिछली बार भारत में साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप हुआ था और उसमें महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व में भारत दूसरी बार विश्व कप जीतने में कामयाब हुआ था। यह बात भी गौर करने की है कि पिछले तीन टूर्नामेंट में मेजबान ही विजेता रहा है। ऐसे में, भारत की तगड़ी दावेदारी है। जब क्रिकेट की चर्चा तेज हो, तब बाजार का पक्ष भी गौर करने लायक है। बैंक ऑफ बड़ौदा के अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया है कि इस क्रिकेट विश्व कप से भारत की अर्थव्यवस्था को 2.4 अरब डॉलर तक का बढ़ावा मिलेगा। चूंकि देश में पितृ पक्ष के बाद त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है, इसलिए क्रिकेट के कारोबार और कमाई का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। चूंकि बारह साल बाद यह आयोजन भारत में हो रहा है, इसलिए इसके प्रति दर्शकों में कुछ ज्यादा ही उत्साह है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि टूर्नामेंट के लिए टेलीविजन और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, दोनों सहित कुल भारतीय दर्शकों की संख्या साल 2019 में देखे गए 55.20 करोड़ से कहीं अधिक होगी। भारत अगर अच्छा खेलता है, तो टीवी अधिकार और प्रायोजन राजस्व से भारतीय क्रिकेट से 120 अरब रुपये तक का व्यापार पैदा हो सकता है। मगर एक आशंका यह भी है कि चूंकि यह आयोजन बहुत महंगा है, इसलिए यह महंगाई को कुछ बढ़ा सकता है। वैसे भी त्योहारी सीजन में महंगाई थोड़ी तेज रहती है। इस अवधि में यात्रा टिकट से लेकर रेस्तरां व होटल किराया भी बढ़ना तय है। एक अनुमान है, महंगाई में इस विश्व कप का योगदान 0.25 प्रतिशत तक रह सकता है। यह अर्थव्यवस्था का सहज व्याकरण है कि जब व्यापार बढ़ता है, तब सरकार की कमाई भी बढ़ती है। अत- समग्रता में यह विश्व कप भारत को कुछ और संपन्न कर जाएगा। एक अन्य अनुमान के अनुसार, विश्व कप से 1,248 करोड़ रुपये से अधिक का आश्चर्यजनक प्रायोजन राजस्व पैदा होगा। इस वृहद आयोजन में 20 से भी ज्यादा प्रायोजक और भागीदार हैं, सभी को इससे लाभ की उम्मीद है। आयोजक प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विश्व कप 2023 के लिए सचिन तेंदुलकर को वैश्विक राजदूत नियुक्त किया गया है। तय है, इस आयोजन से देश में क्रिकेट की लोकप्रियता और बढ़ेगी। सरकार ने अपने स्तर पर सफल आयोजन की व्यवस्था अवश्य की होगी। आयोजन से जुड़े अन्य तमाम लोगों के साथ ही दर्शकों को भी अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करना होगा, ताकि यह आयोजन सबके लिए यादगार बन जाए।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

भाजपा में चल रही है बदलाव की बयार

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

कभी चाल, चरित्र व चेहरा की बात करने वाली भाजपा में अब बड़े बदलाव की बयार चल रही है। इन दिनो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नई भाजपा बन रही है। पार्टी के सभी पुराने छत्रपों को एक-एक कर किनारे लगाया जा रहा है। प्रदेशों में भाजपा के बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर कर घर बैठा दिया गया है। जो थोड़े बहुत पुराने नेता अभी सक्रिय है उनको भी अगले लोकसभा चुनाव तक राजनीति से आउट कर दिया जाएगा।

2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। तब पार्टी में बड़ी संख्या में बुजुर्ग नेताओं का दबदबा कायम था। लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुषमा स्वराज जैसे बड़े नेताओं की पार्टी में तूती बोलती थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर किया गया था। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में पुराने नेताओं के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए लोगों को आगे लाया गया था। कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में भी वर्षों से जमे वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर नए लोगों को मुख्यमंत्री बनाया गया। अब ऐसा लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा पूरी तरह से बदल जाएगी। पार्टी नेतृत्व में ऐसे लोगों की बहुलता होगी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता मानते हैं। कभी भाजपा में संगठन का बहुत महत्व होता था। संगठन से जुड़े लोगों को ही राजनीति में आगे बढ़ने का अवसर मिलता था। मगर अब स्थिति उसके एकदम उलट हो गई है। आज पार्टी में संगठन का महत्व पहले की तुलना में कम हो गया है। भाजपा का अब एक ही ध्येय रह गया है की जिताऊ प्रत्याशी को मैदान में उतार जाए। दूसरे दलों से आने वालों को पार्टी में महत्व मिल रहा है। इससे पार्टी के मूल कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे हैं।

देश के पूर्वोत्तर में स्थित असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री के पदों पर पार्टी ने दूसरे दलों से आए नेताओं को बैठा रखा है। हालांकि राजनीति के बदलते दौर में सभी दलों की यही स्थिति है। मगर भाजपा में ऐसा खेल कुछ ज्यादा ही चल रहा है। पंजाब में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुनील कुमार जाखड़ को तुरंत ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। वही झारखंड में बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बना दिया गया है। हालांकि बाबूलाल मरांडी मूलतः भाजपा से ही जुड़े रहे थे। मगर पिछले कई वर्षों से वह भाजपा विरोध की राजनीति करते थे। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है। पहले कांग्रेस फिर तृणमूल कांग्रेस की राजनीति करने वाले शुधेंदु अधिकारी वहां पार्टी के मुख्य चेहरे व विधायक दल के नेता है। कर्नाटक में भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल एस की राजनीतिक कर चुके बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। जिनके शासन में वहां भ्रष्टाचार के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कर्नाटक में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटे थे। जिससे नाराज होकर कई नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा। फलस्वरुप भाजपा को वहां अपनी सरकार तो गवानी ही पड़ी साथ ही पार्टी विधानसभा में 66 सीटों पर सिमट कर रह गई। कर्नाटक में पहले बीएस येदयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही थी। मगर उन्हें हटाकर दूसरे दल से आए बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाने का खामियाजा भाजपा को सत्ता गवां कर चुकाना पड़ा। आज कर्नाटक में भाजपा हासिये पर पहुंच गई है। इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा ने जो हथकंडे अपनाये हैं उसका खामियाजा उन्हें आगे आने वाले चुनाव में उठाना पड़ेगा। महाराष्ट्र में शिवसेना को तोड़कर भाजपा ने सरकार तो बना ली मगर वहां मुख्यमंत्री शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को बनाकर अपने ही पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तगड़ा झटका दिया है। फिर से मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाकर पार्टी ने उनका कद कम कर दिया है। रही सही कसर वहां अजीत पवार को भी गठबंधन में शामिल करने से पूरी हो गई है। भाजपा के जो विधायक मंत्री बनने का सपना देख रहे थे। गठबंधन बनने से अब उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा कर्नाटक की तरह महाराष्ट्र में भी बहुत कमजोर हो जाएगी। कांग्रेस से भाजपा में आए असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा अपनी आक्रामक शैली को लेकर भाजपा नेताओं के बहुत प्रिय हो रहे हैं। मगर जिस तरह से वह भाजपा का कांग्रेसीकरण कर रहे हैं। उससे असम भाजपा के पुराने नेताओं में गहरी नाराजगी व्याप्त हो रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहेन ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के परिसीमन के विरोध में असम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। जिसका उन्होंने चार बार प्रतिनिधित्व किया है। असम भाजपा में पुराने नेताओं और हाल ही में दूसरी राजनीतिक पार्टियों से शामिल हुए नेताओं के बीच खींचतान तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहेन, असम भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, पूर्व विधायक अशोक सरमा, मोरीगांव के विधायक रमाकांत देवरी ने भाजपा छोड़ने की धमकी दी है। राज्य में पार्टी के नए और पुराने कार्यकर्ताओं के बीच मतभेद के कारण असम भाजपा एक गंभीर संकट का सामना कर रही है। काफी दिनों से भाजपा के पुराने कार्यकर्ता और पार्टी के वफादार आरोप लगाते रहे हैं कि नए कार्यकर्ता और जो अन्य दल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। वे पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और पुराने कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दे रहे हैं। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, कैलाश मेघवाल, देवी सिंह भाटी, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी, महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे, हरियाणा में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह, दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, जैसे कई प्रभावशाली नेता पार्टी में लगातार हो रही अपने उपेक्षा से नाराज है। मध्य प्रदेश में उमा भारती ने तो खुलेआम ऐलान कर दिया है कि वह अभी राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहेगी तथा अगला चुनाव भी लड़ेगी। उमा भारती तो यहां तक बोल गई कि किसी में हिम्मत नहीं है जो उसे अगला चुनाव लड़ने से रोक सके। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में वसुंधरा राजे भी अपने अपेक्षा से नाराज नजर आ रही है। उनके कट्टर समर्थक कैलाश मेघवाल को पार्टी ने निलंबित कर दिया है। उनके समर्थक विधायकों को भी अपना टिकट कटने की संभावना लग रही है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने पिछले दिनों बयान देकर अपनी उपेक्षा करने पर नाराजगी जाहिर की थी। मेनका गांधी के सांसद पुत्र वरुण गांधी अक्सर पार्टी लाइन से हटकर बयान बाजी करते रहते हैं। भाजपा में वरिष्ठ नेताओं को जिस गति से किनारे लगाया जा रहा है। उसे लगता है आने वाले समय में सभी वरिष्ठ नेता सक्रिय राजनीति से दूर कर दिए जाएंगे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

देश के पूर्वोत्तर में स्थित असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री के पदों पर पार्टी ने दूसरे दलों से आए नेताओं को बैठा रखा है। हालांकि राजनीति के बदलते दौर में सभी दलों की यही स्थिति है। मगर भाजपा में ऐसा खेल कुछ ज्यादा ही चल रहा है। पंजाब में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुनील कुमार जाखड़ को तुरंत ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। वही झारखंड में बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बना दिया गया है। हालांकि बाबूलाल मरांडी मूलतः भाजपा से ही जुड़े रहे थे।

सिक्किम हादसा : देश में प्रकृति का कहर एक खौफनाक त्रासदी

(लेखक-नरेंद्र भारती)

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्राकृतिक आपदाओं के कहर से मानवीय त्रासदी .कने का नाम नहीं ले रही है . कहीं बादल फट रहे,कहीं भूस्खलन हो रहा है, कहीं पहाड़ दरक रहे हैं पता नहीं यह तबाही कब थमेगी . देश में अब तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं . उत्तर सिक्किम के लहोनक झील के ऊपर बादल फटने से तिस्ता नदी में भीषण बाढ़ आने से आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई पांच शव बरामद किये गए हैं .प्राकृतिक आपदा में सेना के 23जवानों समेत 49लोग लापता हो गए . सेनिकों के अलावा 26 नागरिक भी लापता हैं . एक सैनिक और 45 लोगों क़ो बचा लिया है . यह बहुत ही त्रासदी हुई है . तिस्ता नदी का जलस्तर 15से 20फुट तक बढ़ गया है लोग खौफ के साये में हैं . तिस्ता नदी के किनारे के रहने वाले लगभग 4000 लोगों क़ो सुरक्षित स्थानो पर पहुंचाया गया है . एनडीआरफ ने लापता हुए सेनिकों व लोगों क़ो ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है . पांच राहत शिविर खोले गए हैं चार जिलों के स्कूल बंद कर दिए हैं . हिमाचल में भी जुलाई व अगस्त माह में बरसात के कहर से 400 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी .देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र .प जिदंगियां लीलता है। लाखों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जाग.क किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है . देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। केरल भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा डूब चुका था .इस बाढ़ में अब तक 29 लोगों की मौत हुई थी . 25 लोंगों की मौत भूस्खलन से हुई थी और 4 लोग डूब गए थे .बाढ़ से 54 हजार लोग बेघर हुए थे .राज्य की 40 नदियां उफान पर थी .पिछले दो दिनों से मूसलाधार बारिस हो रही है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र .प दिखाया था यहां भी किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रकृति मौत का ताडव हुआ था . भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं। कहीं पहाड़ दरक रहे है कहीं भूस्खलन हो रहा है।किन्नौर में पहाड़ दरकने से किन्नौर के लोग खौफजदा हैं।पिछले कल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते। कुलु के बंजार में भी बादल फटने से काफी तबाही हुई है। प्रकृति का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र . प दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी . 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्य पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई। दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके .अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है।

विचार मंथन

2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का सपना?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

कल क्या होगा, यह कोई नहीं जानता है. देश और दुनिया में 5 साल के बाद क्या होगा, कोई नहीं जानता है। पहले महामारी फैलती थी, 2020 में भी कोविड की महामारी फैली। जिसने सारी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया। 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। अफगानिस्तान, तालिबानियों को सौंपकर अमेरिका वापस लौट गया। हम वर्तमान में ना जीकर 2024 के भविष्य में जीने का सपना देख रहे हैं। सपने हमेशा सुखद स्थितियों को लाकर सामने खड़ा कर देते हैं। वर्तमान की चुनौतियों का मुकाबला करने की स्थान पर हम भविष्य का सोचने लगते हैं। और वर्तमान से धीरे-धीरे दूर होते चले जाते हैं। यही जीवन का सत्य है। इसके बाद भी भारत सरकार 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़े-बड़े दावे कर सपने दिखा रही है। 2047 तक भारत की आबादी बढ़कर 165 करोड़ हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व बैंक के पैमाने के अनुसार प्रति व्यक्ति आय 14000 डॉलर की होने पर ही हम विकसित राष्ट्र के दर्जे पर ला पाएंगे। विश्व बैंक द्वारा पैमाने के अनुसार 9000 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय होने पर उच्च मध्यम आय वर्ग वाले देशों की सूची में शामिल होंगे। इस लिहाज से समझे तो, भारत, वर्तमान स्थिति में उच्च मध्य आय वर्ग वाले देशों की सूची में ही आ सकता है। वह भी तब, जब वर्तमान आर्थिक स्थिति इसी तरह से चलती रहे। इसमें कोई भी प्राकृतिक बाधा उत्पन्न ना हो। कोविड महामारी के बाद भारत की वृद्धि दर 8 फ़ीसदी से घटकर 3.9 फ़ीसदी पर आ गई थी। अभी भी यह छह फ़ीसदी से ज्यादा नहीं है। 2047 तक औसतन 6 फ़ीसदी की दर ही रहेगी। तब हम यह सोच सकते हैं, कि निम्न मध्य आय वर्ग से उठकर हम उच्च मध्य आय वर्ग की सूची में शामिल हो सकते हैं। यह वृद्धि दर लगातार बनाए रखना, वह भी 24 सालों तक वृद्धि बनी रहे, यह असंभव है। कुवैत और ब्रुनेई जैसे तेल उत्पादक देश की प्रति व्यक्ति आय 14000 डॉलर से अधिक है। इसके बाद भी वह धनी देश माने जाते हैं। अधिक आय के कारण, उन्हें विकसित देशों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। विकसित देश की सूची में शामिल होने के लिए तकनीकी प्रतिस्पर्धा में विश्व पटल पर लगातार बने रहना होता है। भारत इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। भारत अभी भी सारी दुनिया में कम कीमत वाली चीजों को निर्यात करता है। निर्यात में तकनीकी का स्थान ना के बराबर है। भारत का आयात - निर्यात व्यापार घाटा भी बहुत ज्यादा है। जिन देशों के पास उत्कृष्ट तकनीकी है, वह उसे साझा नहीं करते हैं। भारत को इस दिशा में अभी बहुत नीतियॉ बनाने की जरूरत है। भारत में स्कूली शिक्षा और रिसर्च के मामले में हम पहले की तुलना में लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। जी 20 के देशों में भारत अभी भी गरीब राष्ट्र की सूची में शामिल है। शिक्षा, उच्च शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में अभी बहुत काम करने की जरूरत है। इसके लिए सरकार को खर्च भी बहुत करना होगा। अभी हमारे बजट का बहुत छोटा हिस्सा ही हम शिक्षा और रिसर्च पर खर्च कर पा रहे हैं। शिक्षा के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्र विदेशों में जा रहे हैं। जिस तरह से दुनिया में तकनीकी के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो रहे हैं। जो देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वह मानवता के अस्तित्व पर एक खतरा ही पैदा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारे परिवर्तन आने वाले समय में देखने को मिलेंगे। भारत विकासशील देशों की सूची में शामिल है। अनुसंधान और विकास में निवेश काफी जोखिम भरा होता है। हम प्रयास शुरू करते हैं, उसके पहले ही निराशा देखने को मिलने लगती है। जब तक हम अपनी रिसर्च को नहीं बढ़ाएंगे, हमारे पास रिसर्च के लिए अच्छे रिसर्चर नहीं होंगे। रिसर्च के लिए हमें जोखिम भी उठाने पड़ेंगे। इसमें बहुत बड़ी धनराशि भी खर्च करनी पड़ेगी। राजनीतिक दृष्टि से भी सर्वसम्मति की जरूरत होती है। अभी भारत में जिस तरह से सरकारें बदलती हैं। सरकार बार-बार अपने नियम और कानून को बदलती है। भ्रष्टाचार और महंगाई की जो स्थिति अभी भारत में बनी हुई है। उसको देखते हुए 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। यह सपना देखना ठीक उसी तरह है, जैसे बिना मरे स्वर्ग में जाने की कल्पना करते हैं। हम वर्तमान में जीते हुए आगे बढ़ने स्थायित्व के साथ, जिसमें शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, आर्थिक आधार, शांतिपूर्ण समाज की जो उपयोगिता को सिद्ध करें। उसके बाद भी हम विकसित देश बनने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धोनी बने जियोमार्ट के ब्रांड एंबेसडर

फेस्टिव कैंपेन सेल 8 अक्टूबर से

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रिलायंस रिटेल के जियोमार्ट ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। धोनी को एंबेसडर बनाने के अलावा जियोमार्ट ने अपने फेस्टिव कैंपेन का नाम बदल कर 'जियो उत्सव, सेलिब्रेशन ऑफ इंडिया' कर दिया है। यह फेस्टिव कैंपेन सेल 8 अक्टूबर से शुरु होगा। वहीं धोनी ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने के बाद कहा, भारत अपनी जीवंत संस्कृति, लोगों और त्योहारों के लिए जाना जाता है, जियोमार्ट का 'जियो उत्सव कैंपेन' भारत और उसके लोगों के उत्सव का एक प्रतीक है। मैं जियोमार्ट के साथ जुड़ने और लाखों भारतीयों की बेहतर खरीदारी यात्रा का हिस्सा बनने से बेहद उत्साहित हूं। वहीं धोनी का ब्रांड एंबेसडर के तौर पर स्वागत करते हुए जियोमार्ट के सीईओ, संदीप वरागंती ने कहा, ब्रांड एंबेसडर के रूप में एमएस धोनी एकदम सही पसंद हैं, उनका व्यक्तित्व जियोमार्ट की तरह ही विश्वसनीय है। धोनी ने देश को जश्न मनाने के कई मौके दिए हैं, और अब ग्राहकों को जियोमार्ट पर जश्न मनाने का एक और मौका मिल रहा है और शॉपिंग इस जश्न का एक अभिन्न अंग है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर फैशन और सौंदर्य से लेकर घरेलू सजावट के सामान जैसे लाखों उत्पाद उपलब्ध है। जियोमार्ट प्लेटफॉर्म पर अर्बन लैडर, रिलायंस ट्रेंड्स, रिलायंस ज्वेल्स, हैमलीज़ सहित रिलायंस के स्वामित्व वाले ब्रांडों के उत्पाद भी शामिल हैं। जियोमार्ट के ई कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर वर्तमान में 1000 से अधिक कारीगरों के करीब 1.5 लाख उत्पाद बेचे जा रहे हैं।

मोटे अनाज होंगे जीएसटी से टैक्स फ्री

नई दिल्ली। जीएसटी जल्द ही मोटे अनाज पर जीएसटी खत्म करने जा रही है। जो मोटा अनाज खुला बिकता होगा। उस पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। जिस मोटे अनाज को पैक करके प्रोडक्ट के तौर पर विक्रय किया जाएगा। उस पर 12 फ़ीसदी टैक्स लगाने पर विचार किया जा रहा है। जीएसटी काउंसिल की शनिवार को बैठक होने जा रही है। इस बैठक में मोटे अनाज को लेकर यह फैसला लिया जा सकता है। ऐसे उत्पाद को भी टैक्स फ्री किया जा सकता है, जिसमें 70 फ़ीसदी मोटे अनाज का उपयोग किया गया हो।

कल्याण ज्वेलर्स देश में 33 नई दुकानें खोलेगी

नई दिल्ली । कल्याण ज्वेलर्स दिवाली के पर्व से पहले देश में 33 नई दुकानें खोलेगी। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह देशभर में दुकानें और ऑनलाइन मंच का अनावरण करेगी। कल्याण ज्वेलर्स ने चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में गैर-दक्षिण भारतीय बाजारों में 13 दुकानें खोली थीं। इसके अलावा कंपनी ने दक्षिणी क्षेत्र में प्रायोगिक रूप से फ्रेंचाइजी दुकानों के रूप में पहली खेप खोलने के लिए छह आशय-पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए थे। कंपनी ने कहा कि हमें इन दुकानों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स ने सितंबर तिमाही के दौरान पश्चिम-एशिया में अपना पहला फ्रेंचाइजी शोरूम शुरू किया था। कंपनी ने क्षेत्र में फ्रेंचाइजी शोरूम के लिए अतिरिक्त पांच एलओआई पर भी हस्ताक्षर किए हैं। सितंबर के ओ खिरी तक भारत और पश्चिम-एशिया को मिलाकर कंपनी की कुल 209 दुकानें हैं।

त्योहारी सीजन के पहले सोना 56 हजार के पार, चांदी भी तेज

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत शुक्रवार को भी तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 67,000 रुपए के करीब और सोने के वायदा भाव 56,700 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 127 रुपए की तेजी के साथ 56,735 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 117 रुपए की तेजी के साथ 56,725 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 56,739 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 56,692 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी आज तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 58 रुपए की तेजी के साथ 66,825 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 244 रुपए की तेजी के साथ

67,012 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 67,099 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 66,825 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 1834.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1831.80 डॉलर था। फिलहाल यह 6.10 डॉलर की तेजी के साथ 1837.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 21.12 डॉलर के भाव पर खुले पिछला बंद प्राइस 21.01 डॉलर था। फिलहाल यह 0.14 डॉलर की तेजी के साथ 21.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पीआईडीएफ योजना को दो साल बढ़ाने का प्रस्ताव है: दास

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि पीएम विश्वकर्मा को भुगतान अवसंरचना विकास कोष (पीआईडीएफ) योजना के तहत शामिल करने और योजना को दो साल का विस्तार देने का निर्णय किया गया है। गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि अब पीआईडीएफ योजना को 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। योजना की शुरुआत जनवरी, 2021 में की गई थी। इस योजना का मकसद छोटे और कम आबादी वाले शहरी क्षेत्रों (टियर-3 से टियर-6), पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में बिक्री केंद्र (पीओएस), त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड जैसे भुगतान स्वीकार करने वाले बुनियादी ढांचे की पहुंच स्थापित करना है। मूल योजना के तहत पीआईडीएफ योजना को दिसंबर, 2023 तक तीन साल के लिए लाया गया था। गवर्नर दास ने कहा कि टियर-1 और टियर-2 क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को अगस्त, 2021 में पीआईडीएफ योजना में शामिल किया गया। अगस्त, 2023 के अंत तक योजना के तहत 2.66 करोड़ से अधिक नए टच पॉइंट तैनात किए गए हैं। अब पीआईडीएफ योजना को दो साल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव है। साथ ही पीआईडीएफ योजना के तहत सभी केंद्रों में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को शामिल करने का प्रस्ताव है। दास ने कहा कि पीआईडीएफ योजना के तहत लक्षित लाभार्थियों का विस्तार करने का यह निर्णय जमीनी स्तर पर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की दिशा में रिजर्व बैंक के प्रयासों को बढ़ावा देगा।

आरबीआई ने रेपो दर 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा

- लोगों को महंगे लोन की चिंता से अभी मिलेगी राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट अब भी 6.50 फीसदी बना रहेगा। आखिरी बार रेपो रेट में बदलाव फरवरी में किया गया था। जब रेपो रेट को 6.25 से बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया गया था। रेपो रेट में बदलाव नहीं किया जाना दिखाता है कि आरबीआई अभी महंगाई के स्तर को लेकर संतोषजनक स्थिति में दिख रहा है। यह लगातार चौथी बार है जब आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। एमपीसी बैठक में रेपो रेट न बढ़ाने का फैसला 5-1 के मत से लिया गया। एमपीसी बैठक में लिए गए फैसलों को बताते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि कोर कोर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में गिरावट एक अच्छा सकेंत है। रेपो रेट में बदलाव न होने से मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है। चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के अनुमान को भी 5.4 प्रतिशत पर कायम रखा गया है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने परिस्थितियों पर गौर करने के बाद आम सहमति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी फौरी जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए इसका उपयोग करता है। साथ ही एमपीसी

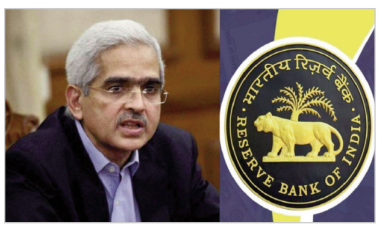

ने उदार रुख को वापस लेने का रुख बरकरार रखा है। दास ने कहा कि भारत दुनिया के लिये आर्थिक वृद्धि का इंजन बना हुआ है, लेकिन अभी संतुष्ट होने की गुंजाइश नहीं है। एमपीसी मुद्रास्फीति को लेकर जरूरत के अनुसार कदम उठाएगी। आरबीआई ने अगस्त, जून और अप्रैल की पिछली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में भी रेपो दर में बदलाव नहीं किया था। इससे पहले, मुख्य रूप से मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 83.27 पर बंद हुआ। इससे पहे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर फैसले से पहले वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की बढ़त के साथ 83.21 पर पहुंच गया। विदेशी कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती के बीच विदेशी कोष की बिकवाली के कारण रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.21 पर खुला और फिर 83.22 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसके बाद 83.21 पर रहा, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में चार पैसे की बढ़त है। गत दिवस रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 106.42 पर रहा।

आरबीआई ने एनबीएफसी को बड़े ऋणों पर जोखिम कम करने में मदद करने के लिए मानदंडों का किया विस्तार

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मध्य परत (एमएल) और निचली परत (बीएल) में एनबीएफसी को पात्र क्रेडिट जोखिम हस्तांतरण उपकरणों के साथ अपने एक्सपोजर की भरपाई करने की अनुमति देने का फैसला किया है, यह सुविधा वर्तमान में केवल ऊपरी परत (यूएल) में एनबीएफसी के लिए उपलब्ध है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-ऊपरी परत (एनबीएफसी-यूएल) के लिए बड़े एक्सपोजर फ्रेमवर्क पर मौजूदा दिशानिर्देश मूल प्रतिपक्ष के लिए एक्सपोजर को कुछ क्रेडिट जोखिम हस्तांतरण उपकरणों के साथ ऑफसेट करने की अनुमति देते हैं। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा, हालांकि, एमएल और बीएल में एनबीएफसी के लिए मौजूदा क्रेडिट एकाग्रता मानदंड स्पष्ट रूप से ऐसे किसी तंत्र की परिकल्पना नहीं करते हैं। एनबीएफसी के बीच उपरोक्त मानदंडों को सुसंगत बनाने की दृष्टि से, एमएल और बीएल में भी एनबीएफसी को पात्र क्रेडिट जोखिम हस्तांतरण उपकरणों के साथ अपने एक्सपोजर की भरपाई करने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में निर्देश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे। बड़े एक्सपोज़र फ्रेमवर्क के पीछे का उद्देश्य अनिवार्य रूप से एक्सपोज़र को किसी एक इकाई या समूह तक सीमित करना है, क्योंकि यह व्यावसायिक असफलता की स्थिति में संभावित रूप से उच्च जोखिम पैदा करता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति बयान पेश करते हुए कहा कि बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को अपनी जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को मजबूत करना चाहिए और इन ऋणों में तनाव से निपटने के लिए मजबूत अंडरराइटिंग मानकों को विकसित करना चाहिए। उन्होंने बैंकों को अपने आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने, जोखिमों के बढ़ने, यदि कोई हो, को हल करने और

अपने हित में उपयुक्त सुरक्षा उपाय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि, उन्होंने कहा, भारतीय बैंकिंग प्रणाली लचीली बनी हुई है, जो बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, स्थिर ऋण वृद्धि और मजबूत आय वृद्धि द्वारा समर्थित है। उन्होंने बैंकिंग प्रणाली में व्यक्तिगत ऋण में बहुत अधिक वृद्धि पर भी संतोष व्यक्त किया।

डब्ल्यूटीओ ने व्यापार वृद्धि अनुमान घटाकर 0.8 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने 2023 के लिए व्यापार वृद्धि का अनुमान घटाकर 0.8 फीसदी कर दिया है। वैश्विक स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र में नरमी के बीच यह अनुमान घटाया गया है। डब्ल्यूटीओ के अनुसार कि दुनिया में वस्तु व्यापार की मात्रा इस वर्ष 0.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह अप्रैल में जताये गए 1.7 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान का आधे से भी कम है। हालांकि डब्ल्यूटीओ ने 2024 के लिए 3.3 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान को बरकरार रखा है। बयान में कहा गया है कि वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में विश्व व्यापार और उत्पादन में अचानक से नरमी आई। इसका कारण मुद्रास्फीति का लगातार ऊंचा बना रहना और महंगाई को काबू में लाने के लिये सख्त मौद्रिक नीति का प्रभाव है। इसके अलावा चीन में संपत्ति बाजार में दबाव से कोविड-19 बाद पुनरुद्धार मजबूत नहीं हो पाया।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 364 अंक, निफ्टी 105 अंक ऊपर आया

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से भी बाजार में उछाल आया। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.66 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.56 बढ़ा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआईढ्ढ) ने वित्त वर्ष 2024 के लिए मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 5.4 फीसदी और 6.5 फीसदी बनाये रखा है, इससे भी बाजार को बल मिला। आरबीआई ने रीपो रेट को भी 6.5 फीसदी पर बनाये रखा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 364.06 अंक करीब 0.55 फीसदी बढ़कर 65,995.63 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 66,095.81 तक ऊपर आया था। इसके बाद ये 65,762.33 तक गिरा। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 105.70 अंक तकरीबन 0.54 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 19,651.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,675.75 तक ऊपर जाने के बाद 19,589.40 तक गिरा। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 23 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनैंस, टाइटन, इंडसइंड बैंक और आईटीसी के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। सबसे ज्यादा लाभ बजाज फिनसर्व के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 5.61 फीसदी तक बढ़ें हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल सात शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एचयूएल, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक सेंसेक्स सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा 0.93 फीसदी नुकसान एचयूएल के शेयरों को हुआ। इसके अलावा एलएंडटी और नेस्ले इंडिया के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 235.97 अंक की बढ़त के साथ 65,867.54 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 55.70 अंक की बढ़त के साथ 19601.45 के स्तर पर नजर आ रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 172.24 अंक की बढ़त के साथ 65,803.81 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 85.20 अंक की बढ़त के साथ 19631.00 के स्तर पर नजर आ रहा था।

उत्तर प्रदेश सरकार 5.82 लाख मीट्रिक टन श्रीअन्न की खरीद करेगी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए सरकार मोटे अनाज (श्री अन्न) पर विशेष जोर दे रही है। इस क्रम में योगी सरकार ने नवंबर से दिसंबर 2023 के बीच 3 माह में मोटे अनाज की खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर 5.82 लाख मीट्रिक टन कर दिया है।

इसमें सर्वाधिक 5 लाख मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की जाएगी, जबकि 30 हजार टन ज्वार (हाइब्रिड), 50 हजार टन मक्का और 2 हजार टन कोदो की खरीद की जाएगी। श्रीअन्न के विक्रय के लिए कृषकों का पंजीकरण विभाग की वेबसाइट पर आरम्भ हो चुका है तथा अब तक 929 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया गया है। पिछले वर्ष प्रदेश में 8532 किसानों से कुल मिलाकर 0.44 लाख मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हुई थी। सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में मोटे अनाजों की खरीद प्रक्रिया को अंजाम दिया जा रहा है। इस क्रम में मुख्य रूप से मक्का उत्पादक 29 जनपदों से मक्का क्रय किया जाना प्रस्तावित है। बाजरा खरीद के लिए प्रदेश के मुख्य बाजरा उत्पादक 40 जिलों से खरीद की जाएगी। प्रदेश में पहली बार मुख्य ज्वार उत्पादक 22 जिलों में ज्वार क्रय किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, माईनर मिलेट्स (कोदो) की खरीद प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जिला सोनभद्र को निर्धारित किया गया है।

बाल यौन शोषण सामग्री हटाएं या कार्रवाई का सामना करें केंद्र ने एक्स, यूट्यूब, टेलीग्राम को दी चेतावनी

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर), यूट्यूब और टेलीग्राम को नोटिस जारी कर उन्हें अपने प्लेटफॉर्म से भारतीय इंटरनेट पर किसी भी प्रकार की बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को हटाने या कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी। इन प्लेटफार्मों को दिए गए नोटिस में उनके प्लेटफार्मों पर किसी भी सीएसएएम तक पहुंच को शीघ्र और स्थायी रूप से हटाने या अक्षम करने के महत्व पर जोर दिया गया है। भविष्य में सीएसएएम के प्रसार को रोकने के लिए सामग्री मॉडरेशन एल्गोरिदम और रिपोर्टिंग तंत्र जैसे सक्रिय उपायों के कार्यान्वयन का भी आह्वान किया गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा, हमने एक्स, यूट्यूब और टेलीग्राम को यह सुनिश्चित करने के लिए नोटिस भेजा है कि उनके प्लेटफॉर्म पर कोई बाल यौन शोषण सामग्री मौजूद न हो। सरकार आईटी नियमों के तहत एक सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने चेतावनी दी, आईटी अधिनियम के तहत नियम सोशल मीडिया मध्यस्थों से सख्त अपेक्षाएं रखते हैं कि उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर आपराधिक या हानिकारक पोस्ट की अनुमति नहीं देनी चाहिए। यदि वे तेजी से कार्रवाई नहीं करते हैं, तो आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत उनका सुरक्षित आश्रय वापस ले लिया जाएगा और भारतीय कानून के तहत परिणाम भुगतने होंगे। मंत्रालय के नोटिस में कहा गया है कि इन आवश्यकताओं का अनुपालन न करने पर आईटी अधिनियम, 2021 के नियम 3(1) (बी) और नियम 4 (4) का उल्लंघन माना जाएगा। मंत्रालय ने तीन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को चेतावनी दी कि नोटिस के अनुपालन में कोई भी देरी आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत सुरक्षित आश्रय वापस लेने का कारण बन सकता है, जो वर्तमान में उन्हें कानूनी दायित्व से बचाती है।चन्द्रशेखर भारतीय इंटरनेट से ऐसी हानिकारक सामग्री को हटाने के मुखर समर्थक रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह दृष्टिकोण मंत्रालय की नीति का विजन बन जाए।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000, सीएसएएम सहित अश्लील सामग्री को संबोधित करने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

लोकल कंटेंट की कमी के कारण नेटफ्लिक्स अभी तक भारत में कारोबार नहीं बढ़ा पाया है : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

देश में लगभग 65 लाख सब्सक्राइबर्स के साथ, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स कमोबेश इंडियन मार्केट में अपना कारोबार बढ़ाने में असफल हो रहा है।ग्लोबल एसेट मैनेजमेंट फर्म अलायंसबर्नस्टीन के एनालिस्ट का हवाला देते हुए टेकक्रंच ने शुक्रवार को रिपोर्ट दी कि भारत में नेटफ्लिक्स की धीमी ग्रोथ मुख्य रूप से लोकल कंटेंट की कमी के कारण है। एनालिस्ट ने कथित तौर पर कहा कि भारत में नेटफ्लिक्स द्वारा पेश किए गए केवल 12 प्रतिशत टाइटल्स लोकल कंटेंट थे। इसकी तुलना में, अमेजन प्राइम वीडियो की लगभग 60 प्रतिशत पेशकश देश में घरेलू भाषाओं में थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में प्राइम वीडियो के लगभग 2 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं और डिज्नी प्लस हॉटस्टार 40 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर्स के साथ बाजार पर हावी है। उन्होंने एक नोट में कहा, उदाहरण के लिए, भारत संभवतः यूट्यूब का सबसे बड़ा बाजार है और सोशल मीडिया नामों के लिए एक प्रमुख विकास क्षेत्र है। नेटफ्लिक्स ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है।

शुभमन डेंगु से संक्रमित होने के कारण विश्वकप के शुरुआती मैचों से बाहर हुए

चेन्नई । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को डेंगू बुखार हो गया है। ऐसे में वह रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले के अलावा एक दो अन्य मुकाबलों से भी बाहर हो गये हैं क्योंकि उन्हें ठीक होने में करीब एक सप्ताह लग सकता है। शुभमन को डेंगू होना भारतीय टीम के लिए एक करारा झटका है क्योंकि पिछले काफी दिनों से वह पारी की शुरुआत करते हुए बेहद सफल रहे हैं। ऐसे में अब रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर शुभमन की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ईशान ने भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाया है। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, शुभमन को चेन्नई पहुंचने के बाद से ही तेज बुखार है और उनकी जांच हो रही है। इसके बाद ही उनके आगे के मैचों में खेलने पर फैसला होगा। मेडिकल टीम ही सलाह से ही शुभमन के खेलने पर फैसला होगा। भारतीय टीम को 8 अक्टूबर के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरना है। इसके बाद उसे 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान से और फिर 14 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलना है। इन सभी मैचों से शुभमन बाहर हो सकते हैं। शुभमन पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरे थे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। पहले मैच में उन्होंने 74 जबकि दूसरे मैच में 104 रन बनाए थे।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों ने कांस्य पदक जीता

हांगझोउ । चीन में जारी एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजों ने शुक्रवार को कांस्य पदक से शुरुआत की। भारत की महिला तीरंदाजों अंकिता, सिमरनजीत और भजन की जोड़ी ने वियतनाम को हराकर रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक के लिए हुए इस मुकाबले में भारत की इस जोड़ी ने वियतनाम की डो थी आन एनगुएट, एनगुएन थी थान नी और हाओंग फुओंग थाओंग की टीम को 6-2 (56-52, 55-56, 57-50, 51-48) से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले भारतीय टीम को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया ने 6-2 से हराया था।

तीरंदाजी में भारतीय रिकर्व टीम ने जीता रजत

हांगझोऊ। अतानु दास, धीरज बोम्मादेवरा और तुषार शेल्के की भारतीय रिकर्व पुरुष टीम को फाइनल में 1-5 से दक्षिण कोरिया के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा। भारत पहले सेट में 55-60 से पिछड़ गया, क्योंकि कोरियाई टीम ने अपने सभी प्रयासों से 10 अंक पर सेट जीत लिया। आखिरी तीन शॉट में तीन 10 ने भारत का स्कोर 57 कर दिया। कोरियाई टीम ने 10 के साथ जवाब दिया और दूसरे सेट का स्कोर 57 से बराबर कर दिया, जिससे उन्हें 3-1 की बढ़त मिली। कोरिया ने अंतिम सेट तीन 10, दो 9 और एक 7 के साथ जीता और कुल 55 का स्कोर किया। भारत ने तीन 10, दो 9 और एक 8 के साथ जोरदार जवाब दिया और कुल 56 स्कोर किया लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं था क्योंकि कोरिया ने मैच 5-1 अपने नाम किया।दक्षिण कोरिया ने 2010 के बाद पहली बार गोल्ड जीता है।

एशियाई खेलों में भारत ने हॉकी का स्वर्ण जीतकर पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया

हांगझोउ ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल में जापान को 5-1 से हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। वहीं मनप्रीत सिंह, अभिषेक और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल दागा। जापान की ओर से एकमात्र गोल सेरेन तनाका ने 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर किया।

इस जीत से भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट हासिल कर लिया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने पुरुष हॉकी में रिकॉर्ड 16वीं बार पदक जीता है। इसमें से चार बार उसे स्वर्ण पदक मिले हैं। वहीं दक्षिण कोरिया ने मेजबान चीन को हराकर कांस्य पदक जीता है। भारतीय टीम इस बार एशियाई खेलों में अजेय रही और उसने सभी मुकाबले जीते। भारतीय टीम ने सभी मुकाबले बड़े अंतर से जीते। भारतीय टीम ने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 16-0 से हराने के

एशियाई खेलों में भारत 100 पदक के करीब पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों ने चीन में जारी एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अबतक 91 पदक जीते हैं और पहली बार उसे 100 पदक जीतने की उम्मीद है। शुक्रवार को हालांकि भारतीय खिलाड़ियों को अधिक सफलता नहीं मिली। भारत के एचएस प्रणय पुरुष एकल के सेमीफाइनल में चीनी खिलाड़ी से सीधे गेम में हार गए और उन्हें तीसरे स्थान के साथ ही कांस्य पदक मिला हालांकि तीरंदाजी में भारत को एक कांस्य पदक मिला। पहलवान बजरंग पूनिया सहित चारों पहलवान सेमीफाइनल में हार गये। भारत ने एशियाई खेलों में अब तक 21 स्वर्ण , 33 रजत और 37 कांस्य पदक जीते हैं। इस प्रकार उसके कुल 91 मेडल हैं और 9 पदक और उसे मिलने तय हैं। इस प्रकार भारत पहली बार पदकों का शतक लगाएगा। इससे पहले एशियाई खेलों की बैडमिंटन में स्वर्ण या रजत पदक की उम्मीदें प्रणय की सेमीफाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयीं। चीन के ली शिफेंग ने प्रणय को 21-16 और 21-9 से हराया। क्रिकेट में भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गयी हैं और उसका पदक पक्का हो गया है।

विश्व कप में आज आमने सामने होंगे श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली ।

विश्वकप में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला होगा। इस मुकाबले में दोनो ही टीम जीत के साथ शुरुआत करने उतरेंगी। दोनो ही टीमें के लिए ये मुकाबला इसलिए आसान नहीं होगा क्योंकि वे अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका की टीम तेज गेंदबाजों एनरिच नोर्खिया और सिसांडा मगाला के बिना वहीं श्रीलंका लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा के बिना उतरेगी। श्रीलंका के मुख्य तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा और लाहिरू मदुशंका भी फिट नहीं हैं। नोर्खिया के नहीं होने से दक्षिण अफ्रीका की टीम अनुभवी कागिसो रबादा और युवा गेराल्ड कोएट्जी पर आधारित रहेगी। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी पर रहेगी। बल्लेबाजी की कमान आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर और कप्तान तेम्बा बावुमा संभालेंगे। शीर्ष क्रम में विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के साथ बावुमा की जोड़ी पर श्रीलंकाई गेंदबाजों को अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन से भी उसके सावधान रहना होगा। दक्षिण अफ्रीका को श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्षणा और दुनिथ वेलालागे की स्पिन जोड़ी से सतर्क रहना होगा। वहीं तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी लाहिरू कुमारा, दिलशान मदुशंका, मथीसा पथिराना और कासुन रजिता के पास रहेगी। टीम की बल्लेबाजी दिमुथ करूणारत्ने, कुसाल परेरा, पथुम निसांका, सदीरा समरविक्रम और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस के अलावा बल्लेबाज निसांका और कप्तान दासुन शनाका पर निर्भर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

दक्षिण अफ्रीका :

क्विंटन डी कॉक, टेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्करम, रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, मार्को जानसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, तबरेज़ शम्सी, लुंगी एनगिडी

श्रीलंका :-

दासुन शनाका (कप्तान), कुसल-मेंडिस, कुसल परेरा, पथुम निसांका, चैरिथ असलांका, , चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेललेज, धनंजय डी सिल्वा, कासुन राजिथा, महीश थीक्षाना, मथीशा पथिराना !

संक्षिप्त समाचार

एशियाई खेल : पाक को हराकर फाइनल में पहुंची अफगानिस्तान क्रिकेट टीम

हांगझोउ । अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 4 विकेट के हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। यहां उसका मुकाबला भारतीय टीम से होगा। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक टीम 18 ओवर में 115 रनों पर सिमट गयी। ओपनर ओमैर यूसुफ 24 के अलावा अन्य सभी खिलाड़ी नाकाम रहे। टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे। अफगानिस्तान की ओर सेफरीद ने 3 जबकि कैस और जरीर ने 2-2 विकेट लिए इसके बाद 116 रन का लक्ष्य अफगानिस्तान की टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगान टीम की तेज शुरुआत नूर अली जादरान ने की पर लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गयी। इसके बाद कप्तान गुलबदीन नैब ने टीम को संभाला और जीत दिलायी। गुलबदीन ने 19 गेंद पर 26 रन की पारी खेली। आखिरी ओवर में जब टीम दबाव में दिख रही थी तो कप्तानी ने छक्का और चौका लगातर अपनी टीम को जीत दिलायी।

एशियाई खेलों में बजरंग, सहरावत सहित चारों भारतीय पहलवान सेमीफाइनल में हारे

कुश्ती । एशियाई खेलों में शुक्रवार को भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और बजरंग पुनिया, अमन सहरावत सहित चारों पहलवानों को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। बजरंग पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा सेमीफाइनल मुकाबले में ईरान के रहमान अमौजादखलीली से 0-8 अंकों के अंतर से हार गए। वहीं सहरावत को पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में जापान के तोशीहिरो हसेगावा ने 10-12 अंकों से हराया। अब कांस्य पदक के लिए उनका मुकाबला रेपचेज राउंड के विजेता से होगा। वहीं महिला कुश्ती के फ्रीस्टाइल 62 किग्रा मुकाबले में भारत की सोनम उत्तर कोरिया की ह्योंगयोंग मुन से 0-7 से हार गईं। अब वह रेपचेज विजेता के खिलाफ कांस्य पदक मैच में उतरेंगी। इसके अलावा किरण को महिला फ्रीस्टाइल 76 किग्रा सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की ज़मिला बाकबर्गेनोवा के हाथों 2-4 अंकों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा है। अब वह कांस्य पदक मुकाबले में उतरेंगी।

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने पाक को हराकर फाइनल में जगह बनायी

हांगझोउ ।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने शक्रवार को हुए सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 61-14 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में सातवीं बार पाक को हराया है। इसस मुकाबले में भारतीय टीम ने मध्यांतर तक पाकिस्तान के खिलाफ 30-5 से बढ़त हासिल कर ली। इस मुकाबले के पहले हाफ में भारत ने तीन खिलाड़ियों को ऑलआउट किया। भारत के लिए नवीन कुमार के साथ कप्तान पवन सहरावत ने शानदार रेड की। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को छह बार ऑल-आउट किया जबकि पाक टीम, एक अच्छी शुरुआत के बाद पूरे मैच में संघर्ष करती दिखी। मध्यांतर के बाद पाक टीम ने वापसी के कुछ किये पर वह दोहरे

अंक तक ही पहुंच पायी। पाक की की रक्षापंक्ति ने शुरुआत में आक्रामक रुख अपना कर भारतीय टीम पर दबाव बनाने का प्रयास किया पर कुछ टैकल के बाद ही भारतीय रेडरों ने उन्हें विफल कर दिया।

पहले हाफ में भारतीय टीम के पवन और नवीन ऑलआउट हुए जबकि दूसरे हाफ में असलम इनामदार, सचिन तंवर और आकाश शिंदे को ऑलआउट किया गया। भारतीय टीम ने इससे पहले चीनी ताइपे और जापान को हराया था। अब फाइनल में भारतीय टीम शनिवार को ईरान और चीनी ताइपे के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगी।

भारत के खिलाफ पहले मैच से बाहर हुए स्टोइनिस

चेन्नई । ऑस्ट्रेलियाई स्टार ऑलराउंडर मार्केस स्टोइनिस चोटिल हो गये हैं। ऐसे में स्टोइनिस रविवार को यहां भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले से तकरीबन बाहर हो गये हैं। स्टोइनिस का बाहर होना ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक करारा झटका है। टीम पहले ही अपने प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के अनुसार स्टोइनिस हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं। ऐसे में उनके भारत के खिलाफ खेलने की संभावनाएं बेहद कम हैं। इस खिलाड़ी को पिछले महीने भारत के खिलाफ मोहाली में हुए पहले एकदिवसीय के दौरान चोट लग गई थी और तब से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। मैकडोनाल्ड ने कहा कि वह (स्टोइनिस) अभ्यास मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह भारत के खिलाफ पहले मैच के लिए तैयार था पर हमने जब अभ्यास सत्र लगाया तो पाया कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं। अभी हम एक और सत्र लगाएंगे अगर वह फिट नहीं हुआ तो नहीं खेलेंगे। साथ ही कहा कि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन अच्छी फॉर्म में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ अंतिम अभ्यास मैच में भी उन्होंने टीम के लिए अहम भूमिका निभाई थी। हालाँकि, मैकडॉनल्ड्स ने कहा कि टीम का इरादा दोनों को बनाये रखने का है।

विश्व कप में टीम इंडिया की सफलता के लिए हार्दिक पांड्या महत्वपूर्ण हैं: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा का मानना है कि विश्व कप में भारत की सफलता के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पांड्या की भूमिका महत्वपूर्ण है। जियोसिनेमा के दैनिक स्पोर्ट्स शो आकाशवाणी की मेजबानी करते हुए, आकाश चोपड़ा ने कहा कि भारत हार्दिक पांड्या और टीम में उनकी भूमिका पर बहुत अधिक निर्भर है, क्योंकि रवींद्र जडेजा ने हाल ही में बल्ले से प्रदर्शन नहीं किया है।आकाश चोपड़ा ने कहा, मैं थोड़ा चिंतित हूं कि भारत हार्दिक पांड्या पर बहुत अधिक निर्भर है। टीम में उनके जैसा कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं है – शीर्ष 6 में कोई भी गेंदबाजी नहीं करता है। रवींद्र जडेजा नंबर 7 पर खेल सकते हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी फॉर्म हाल ही में अच्छी नहीं रही है। इसके अलावा, पांड्या टीम में एकमात्र बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं और शार्दुल ठाकुर नहीं हैं – वह नंबर 6 पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए, मेरा मानना है कि हार्दिकविश्व कप में टीम इंडिया की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। आकाश हार्दिक के हालिया फॉर्म को लेकर भी थोड़ा चिंतित थे, क्योंकि चोट से वापस आने के बाद उन्होंने 50 ओवर का क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला है, जिससे उनके प्रदर्शन में बाधा आ सकती है। इस बात को लेकर मेरे चिंतित होने का एक और कारण यह है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी तीन वनडे नहीं खेले और वार्म-अप मैच भी नहीं हुए। उन्होंने बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है – उन्होंने एशिया कप फाइनल में खेला और कुछ विकेट लिए लेकिन बल्लेबाजी नहीं कर सके और पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी दो मैच उनके प्रदर्शन के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण नहीं थे। इसलिए, ऐसी संभावना हो सकती है कि वह चेन्नई में अपने पहले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न कर पाए। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच रविवार को एम. ए. चिदम्बरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा।

गोपीचंद ने कांस्य विजेता प्रणय के प्रदर्शन को सराहा

हांगझोउ,

यह एक कांस्य पदक है जो अपने वजन के बराबर है, यह सोने जितना अच्छा है। भारत के राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद का यह आकलन था कि जिस तरह से एचएस प्रणय ने 41 साल के अंतराल के बाद भारत के लिए कांस्य पदक जीतने के लिए गंभीर पीठ दर्द के बावजूद पिछले दो सप्ताह से संघर्ष किया, वह सराहनीय है। इवेंट से कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान प्रणय को चोट लग गई थी और वह 10 दिनों तक ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे। वह हांगझोउ आए और टीम प्रतियोगिता में मजबूत दक्षिण कोरिया पर सेमीफाइनल की जीत में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण एकल जीत हासिल की। गुरुवार को उन्होंने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लियो ज़ी जिया पर तीन गेम की कठिन जीत दर्ज की। शुक्रवार को प्रणय सेमीफाइनल में चीन के ली शिफेंग से हार गए, जिससे उनका अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। गोपीचंद ने चोट के बावजूद देश के लिए खेलने में लचीलेपन और समर्पण के लिए शीर्ष एकल खिलाड़ी प्रणय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ÷हमें यह निर्णय लेना पड़ा और उसे मैच के लिए उतारना पड़ा क्योंकि कोरिया के खिलाफ, मैं एकल में जीत की उम्मीद कर रहा था। उन्होंने कहा कि गुरुवार को तीन गेम की जीत ने भी प्रणय की ऊर्जा खत्म कर दी और सहयोगी स्टाफ को शुक्रवार के मैच के लिए तैयार होने के लिए वास्तव में उन पर काम करना पड़ा। कोरिया के खिलाफ उस मैच ने शायद उनकी चोट को और खराब कर दिया था। यह अच्छा था कि हमारे पास एक अतिरिक्त दिन था (प्रणय को पहले दौर में बाई मिली थी) जिससे सहयोगी स्टाफ को प्रणय को मैचों के लिए तैयार करने में मदद मिली। गोपी ने कहा, मेरी राय में, मैं मैच से पहले यह नहीं कहूंगा, लेकिन यह कांस्य अपने वजन के लायक है।

उन्होंने कहा, यह शानदार है, इसका जश्न मनाया जाना चाहिए। जिस तरह से वह हारे, उसमें कोई शर्म की बात नहीं है क्योंकि ली शिफेंग ने शानदार खेल दिखाया। फाइनल का विश्लेषण करते हुए गोपीचंद ने कहा कि चीनी शटलर अपने शॉट्स में बहुत सटीक थे, हर शॉट बेसलाइन पर था, हर शॉट अच्छा था और प्रणय के पास आक्रमण करने का कोई मौका नहीं था।

उन्होंने कहा कि प्रणय के लिए सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयार होना आसान नहीं था क्योंकि पिछला मैच भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था जिसमें भारतीय शटलर एक गेम से आगे था और जब चीजें उसके खिलाफ हो गईं तो उसे केवल कुछ अंकों की जरूरत थी।

चोट से उबर रहे प्रणय ने 41 साल बाद जीता कांस्य

हांगझोउ। भारत के एचएस प्रणय ने एशियाई खेलों के पुरुष एकल बैडमिंटन के सेमीफाइनल में शुक्रवार को विश्व रैंकिंग में 7वें नंबर के खिलाड़ी चीन के ली शिफेंग से 0-2 से हारने के बाद कांस्य पदक जीता। प्रणय 16-21, 9-21 के स्कोर से हारे। एचएस प्रणय अभी भी उस पीठ की चोट से पीड़ित हैं जो उन्हें इवेंट से पहले प्रशिक्षण के दौरान लगी थी। हालांकि, उन्होंने अपनी 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। एचएस प्रणय ने भारत को 41 साल के अंतराल के बाद पुरुष एकल में अपना दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले, सैयद मोदी ने 1982 में नई दिल्ली में हुए खेलों में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। प्रणय ने मैच के बाद कहा, पहले गेम में मेरे पास मौके थे लेकिन एकाग्रता में थोड़ी कमी आ गई, जिससे मैंने पूरा मैच गंवा दिया। उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसी चोट है जो मुझे पहले भी लगी थी, जिसके कारण मैं कुछ महीनों तक खेल से दूर रहा था। हांगझोऊ के लिए रवाना होने से एक सप्ताह से 10 दिन पहले मुझे यह चोट दोबारा लगी थी। इसलिए, मैं बिल्कुल भी प्रशिक्षण नहीं ले सका। फिर, मैंने सेमीफ़ाइनल में कोरिया के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मैच खेला। इस मैच के बाद मैं बहुत थक गया था। टीम प्रतियोगिता में कोरिया पर सेमीफाइनल में जीत के दौरान चोट थोड़ी बढ़ जाने के बाद प्रणय ने शुक्रवार के मैच और व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें तैयार करने के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम के सहयोगी स्टाफ को श्रेय दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बगीचे

स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है । सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें । उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें

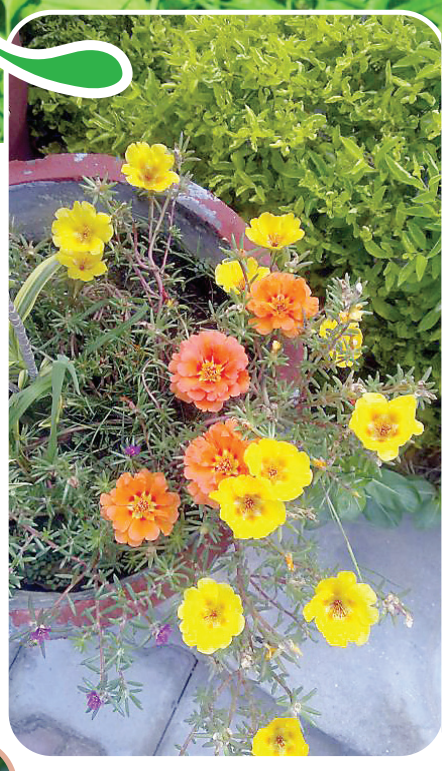

सड़क एवं मार्ग

- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें । आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है । अत : उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें ।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें ।
- नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां – स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़–तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है

वर्गाकार पद्धति – वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है । इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं ।

आयताकार– इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है ॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति ।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति– यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है ।

आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता । इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है ।

कंटूर के आधार पर रोपण – ऊंची–नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है ।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना – यह एक महत्वपूर्ण कार्य है । भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें ।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें । उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो ।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो । ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों ।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों । उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें ।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो, गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली–भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें । जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें ।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये । जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली–भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली–भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें । रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें । उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें ।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें । जैसे– कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें । फलों की तुड़ाई करें । आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें ।

जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें । पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें । पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है ।

रामतिल सुरक्षित फसल

भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है । इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है । अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था । डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है । यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है । अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है । इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें । मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें ।

भूमि का चुनाव– यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है । अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है ।

हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है । परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है ।

फसल पद्धति – रामतिल फसल की बुआई सामान्यत : मध्य अगस्त में की जाती है । अत : इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं । डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है । परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा ।

उन्नत किस्में – अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है । भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए । अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है । डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं ।

बीज दर – शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है ।

बीजोपचार – फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है । थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए । बुआई के 12 घंटे पूर्व फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है ।

बुआई विधि – सामान्यत : रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है । इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए । बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए । इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता ।

उर्वरक एवं खाद – रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए । बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है ।

नींदा नियंत्रण – रामतिल फसल में पहली निंदाई – गुड़ाई बुआई के 15–20 दिन बाद करना चाहिए । यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई –गुड़ाई बुआई के लगभग 35 – 40 दिन बाद करें । यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए । रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है । जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है । इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए ।

कटाई एवं गहाई – रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है । जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें । कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है । कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए ।

आय – व्यय –परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है । जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है । उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी ।

बच्चों की देखभाल के लिए आया की तलाश, वेतन 80 लाख रुपए

- अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी का ऑफर

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी कथित तौर पर अपने बच्चों की देखभाल के लिए एक आया यानि की बच्चों की देखभाल करने वाली नैनी की तलाश कर रहे हैं। भारतीय मूल के रिपब्लिकन का विवाह अपूर्वा टी रामास्वामी से हुआ है। दंपति के दो बेटे हैं। एक वेबसाइट के अनुसार विवेक रामास्वामी नैनी की नौकरी के लिए 100,000 या अधिक (80 लाख) का वेतन दे रहे हैं। एक खबर के अनुसार ये जॉब एक वेबसाइट पर लिस्ट की गई है। जॉब के डिस्क्रिप्शन में फैमिली एडवेंचर्स में शामिल होते हुए बच्चों की ग्रोथ और डेवलपमेंट में योगदान देना होगा। नैनी को विकली रोटेशनल शेड्यूल के हिसाब से काम करना होगा और हफ्ते में 1 दिन की छुट्टी बी दी जाएगी। ?विज्ञापन के अनुसार नैनी को हर हफ्ते ट्रैवल भी करना पड़ेगा, विकली फैमिली ट्रैवल, प्राइवेट फ्लाइट ट्रैवल और रेगुलर बेस पर ट्रैवल शामिल है। जॉब की डिस्क्रिप्शन में दी जानकारी के मुताबिक नैनी को उनके हाउसहोल्ड स्टाफ का हिस्सा बनना होगा, जिसमें एक हाउसकीपर, सेफ, प्राइवेट सिक्योरिटी और अन्य नैनी शामिल हैं। इस जॉब के लिए उम्मीदवार की उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए और उनके पास इससे जुड़ी नौकरी का एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अलावा नैनी को एक नॉन डिसक्लोजर एग्रीमेंट भी साइन करना होगा।

सैन्य कॉलेज में हुए ड्रोन हमले में 100 की मौत, 240 घायल

दमास्कस । सीरिया के होम्स प्रांत स्थित एक सैन्य कॉलेज में आयोजित ग्रेजुएशन समारोह के दौरान हुए ड्रोन हमले में करीब 100 लोग मारे गए जबकि 240 लोग घायल हो गए। सीरिया के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मरने वालों में नागरिक और सैन्यकर्मी सहित 6 बच्चे भी शामिल हैं, घायलों में से कई की हालत गंभीर होने से मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. हमले की जिम्मेदारी का तत्काल कोई दावा नहीं किया गया। देश की सेना ने कहा कि गुरुवार को समारोह समाप्त होते ही विस्फोटकों से लदे ड्रोनों ने समारोह को निशाना बनाया। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि सेना ने हमले के लिए ज्ञात अंतरराष्ट्रीय ताकतों द्वारा समर्थित लड़ाकों पर आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होम्स में ड्रोन हमले के साथ-साथ उत्तर-पश्चिम सीरिया में जवाबी गोलाबारी की रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त की। समारोह में भाग लेने आये सीरिया के रक्षा मंत्री हमले से कुछ मिनट पहले ही चले गए थे। समारोह में सजावट करने वाले एक सीरियाई ने कहा कि समारोह के बाद आंगन में जाने के बाद विस्फोटक आ गए और लाशें बिखर गईं।

16 लड़कों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मेल नैनी को 690 सालों की सजा

कैलिफोर्निया । मासूम बच्चों के यौन शोषण और छेड़छाड़ करने के आरोप में एक मेल नैनी को कोर्ट ने दोषी पाया है। इस पर दो से बारह साल की उम्र के 16 लड़कों का यौन उत्पीड़न करने और एक किशोर को अश्लील साहित्य दिखाने का आरोपी बनाया गया है। इस मेल नैनी को अधिकतम 690 साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा का सामना करना पड़ेगा। अदालत ने इस किशोरों पर किए यौन हमलों को फिल्माने का भी दोषी माना है। कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा में रहने वाले 34 वर्षीय मैथ्यू एंटोनियो जक्रजवेस्की को अदालत ने बच्चों के साथ यौन अपराध में दोषी ठहराया है। 17 मई 2019 को एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान से उतरने के बाद एक स्थानीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उस पर पहला केस 14 वर्ष से कम उम्र के एक नाबालिग के साथ अश्लील और कामुक कृत्यों को करने का आरोप था। इसके बाद दूसरा मामला तब पता लगा जब पीड़ित पक्ष ने आकर बताया कि इसने उनके 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे के साथ ओरल सेक्स किया है।

यह भी आरोप लगाया कि बच्चे का अपहरण कर कामुक चित्रों को दिखाकर यौन शोषण किया। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आरोपों के दायर होने के बाद, जांचकर्ताओं ने दक्षिणी कैलिफोर्निया में परिवारों के लिए काम करने वाले मेल नैनी द्वारा सताए अन्य पीड़ितों की पहचान करनी शुरू की। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी। वीडियो और पीड़ित मां-बाप से मिली जानकारियां सामने आने लगी। अभी तक यह खुलासा हुआ है कि आरोपी ने 16 बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न किया है। इसके बाद जक्रजवेस्की के खिलाफ अतिरिक्त आरोप दायर किए गए। जकरजवेस्की की गिरफ्तारी तब हुई थी जब लगुना बीच के एक कपल ने रिपोर्ट दी कि जक्रजवेस्की ने मेल नैनी रहते हुए उसके आठ वर्षीय बच्चे को गलत इरादों से छुआ। उन्होंने कहा कि वे अपने बेटे और अन्य बच्चों की सुरक्षा के लिए चिंतित थे। सुनवाई के दौरान जिला अटॉर्नी टॉड स्पिट्जर ने कहा, किशोरों को मेल नैनी के रूप में एक राक्षस का सामना करना पड़ा था। जिला अटॉर्नी ने कहा, इन माता-पिता ने सोचा कि जब वे पारिवारिक छुट्टियों, डेट नाइट्स के दौरान अपने बच्चों के लिए एक भरोसेमंद मेल नैनी को काम पर रख रहे हैं। जबकि वे अनजाने में एक राक्षस को अपने घरों में आने दे रहे थे, जो उनके मासूम बच्चों को सबसे घृणित तरीके से शिकार बना रहा था।

तुर्की सेना ने 26 वाईपीजी सदस्यों की हत्या की

अंकारा। तुर्की सुरक्षा बलों ने उत्तरी सीरिया में सीरियाई कुर्द पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) के हमले की जवाबी कार्रवाई में 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया है। यह जानकारी तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाईपीजी ने गुरुवार देर रात उत्तरी सीरिया में तुर्की सेना के यूफ्रेट्स शील्ड ऑपरेशन जोन में दाबिक बेस क्षेत्र पर हमला शुरू कर दिया जिसके बाद तुर्की ने जवाबी कार्रवाई की। मंत्रालय के अनुसार तुर्की के लड़ाकू विमानों ने भी वाईपीजी के खिलाफ हवाई हमले किए और ताल रिफात, जजीरा और डेरिक क्षेत्रों में 30 ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान में महिला अधिकारों की आवाज उठाने के लिए जेल में बंद नरगिस मोहम्मदी को शांति का नोबेल

स्टॉकहोम। ईरान में महिला उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने, सभी के लिए मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की लड़ाई के लिए नरगिस मोहम्मदी को वर्ष 2023 के लिए शांति का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा हुई है। मोहम्मदी अभी भी तेहरान की कुख्यात एविन जेल में बंद हैं। नोबेल पुरस्कार समिति की ओर से कहा गया कि नरगिस मोहम्मदी को बहादुरी भरे संघर्ष की जबरदस्त व्यक्तिगत कीमत चुकानी पड़ी। ईरानी शासन ने उन्हें 13 बार गिरफ्तार किया, पांच बार दोषी ठहराया और कुल 31 साल जेल और 154 कोड़े की सजा सुनाई। मोहम्मदी इस समय भी जेल में हैं। युवावस्था में भौतिकी की मेधावी छात्रा रही मोहम्मदी ने समानता और महिलाओं के अधिकारों के समर्थक के रूप में खुद को प्रतिष्ठित किया। वर्ष 2011 में मोहम्मदी को पहली बार गिरफ्तार किया गया था और जेल में बंद कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों की सहायता करने के उनके प्रयासों के लिए कई वर्षों के कारावास की सजा सुनाई गई थी। जमानत पर रिहा होने के बाद मोहम्मदी ने मौत की सजा के खिलाफ एक अभियान में खुद को झोंक दिया। मौत की सज़ा के ख़िलाफ़ आन्दोलन में सक्रियता के कारण 2015 में उन्हें फिर से गिरफ़्तार किया गया और उन्हें अतिरिक्त वर्षों की जेल की सज़ा हुई।

अगर पुतिन तानाशाह हैं तो यूक्रेन भी भला नहीं, जेलेंस्की पर क्यों भड़के रामास्वामी

मास्को (एजेंसी)। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने युद्धग्रस्त देश में चुनाव कराने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त धन मांगने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की आलोचना की है और कहा है कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवार बनने की राह पर हैं। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में 38 वर्षीय रामास्वामी ने अपने उस बयान का बचाव किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर वह अमेरिकी राष्ट्रपति चुने गए तो यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता में कटौती कर देंगे।

यूक्रेन भी बहुत अच्छा नहीं

रामास्वामी ने कहा कि मुझे तुष्टिकरण से भी समस्या है, लेकिन मैं बहुत स्पष्ट होना चाहता हूँ। हमें यहां अमेरिकी लोगों के बराबर रहना होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि पुतिन एक दुष्ट तानाशाह हैं इसका ये मतलब नहीं है कि यूक्रेन अच्छा है। यूक्रेन एक ऐसा देश है जिसने 11 विपक्षी दलों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह एक ऐसा देश है जिसने सभी मीडिया को एक राज्य मीडिया शाखा में समेकित कर दिया है, जिसका राष्ट्रपति पिछले हफ्ते ही अपने ही रैंक में एक नाजी की प्रशंसा कर रहा था। उसने संयुक्त राज्य अमेरिका को धमकी दी है कि जब तक उसे अधिक धन नहीं मिलता, वह इस साल अपने सामान्य चुनाव नहीं कराएगा।

रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की राह पर

रामास्वामी ने कहा कि वह नवंबर 2024 के चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि छह महीने पहले, यहाँ तक कि पाँच महीने पहले भी, इस देश में अधिकांश लोग नहीं जानते थे कि मैं कौन हूँ। अब हम पहले से ही कई मामलों में राष्ट्रीय औसत में तीसरे स्थान पर हैं। मुझे लगता है कि हम नामांकन की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन, मेरे लिए, यह मेरे बारे में नहीं है। यह ट्रम्प के बारे में नहीं है। यह अमेरिका को पहले स्थान पर रखने के बारे में है।

रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का स्पीकर बनने को तैयार ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रहे डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का स्पीकर बनने को तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे अस्थायी रूप से ही अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर बन सकते हैं। दरअसल, पिछले दिनों अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा में मतदान कराकर केविन मैक्कार्थी को स्पीकर पद से हटा दिया गया था। केवल 269 दिनों तक पद पर रहने के बाद हटाए गए मैक्कार्थी के बाद अगला स्पीकर कौन बनेगा, इस पर कयास लगाए जा रहे हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से किसी अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए पहली बार वोटिंग कराई गई। मतदान के बाद कैलिफोर्निया के रिपब्लिकन सीनेटर केविन मैक्कार्थी को हटाया गया। मैकहेनरी उनकी जगह प्रो-टेम अध्यक्ष चुने गए हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पूछा गया कि वे तो 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रहे हैं, फिर स्पीकर का पद क्यों संभालने को क्यों राजी हैं। इसपर उन्होंने कहा, वह रिपब्लिकन पार्टी को एकजुट करने के मकसद से प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में अस्थायी पद स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने कहा, अमेरिकी कांग्रेस में उनके कई दोस्त हैं, इसलिए उन्हें 'अस्थायी रूप से' स्पीकर की भूमिका निभाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सीनेटरों को एकजुट रखने का प्रयास करना है। अगर उनका स्पीकर बनना अनिवार्य है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

अमेरिका भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास जारी रखेगा : पेंटागन

- अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने भारत से संबंधों की सराहना कर चीन को बताया चुनौती

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा है कि वह भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को भारत से अमेरिकी संबंधों की सराहना करने के साथ चीन को चुनौती के रूप में रेखांकित किया। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में भारत-अमेरिकी संबंधों को दोनों देशों के लिए सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका रक्षा स्तर पर भारत के साथ अपने संबंधों की बहुत सराहना करता है। साथ ही अमेरिका भविष्य में भी भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों से कहा कि आप सभी लोग और पूरी दुनिया अमेरिका और भारत को मजबूत रक्षा साझेदारी पर आगे बढ़ते हुए देखेगी। उन्होंने तर्क दिया कि 1997 में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार लगभग नगण्य था, जबकि आज यह बढ़कर 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने

विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी तेज रफ्तार से बढ़ती रहेगी। पैट राइडर ने भारत-अमेरिकी संबंधों की भरपूर सराहना की किन्तु चीन के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि चीन लगातार अमेरिकी रक्षा विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है। चीन को चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि चीन कई बार रिश्तों की रफ्तार में बाधक बनता है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्तिगत राष्ट्रों की संप्रभुता को संरक्षित करने और अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित आदेश का पालन करने की बात आती है, तो हम भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के साथ अपनी साझेदारी की सराहना करते हैं। इन्हीं स्थितियों ने पिछले कई वर्षों से शांति और स्थिरता को संरक्षित किया है।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की हत्या की साजिश रचने के आरोप में ब्रिटिश सिख को नौ साल की जेल

लंदन। 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए रानी की हत्या करने की धमकी देने वाले ब्रिटिश सिख को ब्रिटेन की एक अदालत ने नौ साल कैद की सजा सुनाई है। 21 वर्षीय जसवंत सिंह चैल ने इस साल फरवरी में विंडसर कैसल की दीवारों को तोड़ने और क्रिसमस दिवस 2021 महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को मारने की साजिश रचने की बात स्वीकार की थी। चैल ने सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में खुद को आंशिक रूप से स्टार वार्स फिल्मों से प्रेरित होकर रानी पर हमला करने की बात कही थी।

जस्टिन ट्रूडो की देश में ही फजीहत, शख्स ने हाथ मिलने से इंकार कर कहा, अपने देश को बर्बाद कर दिया

-सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा वीडियो

ओटावा (एजेंसी)। भारत के साथ खालिस्तान के मामले पर तनाव के चलते मुसीबत में चल रहे जस्टिन ट्रूडो को अपने ही देश में विरोध झेलना पड़ रहा है। इतना ही नहीं टोरंटो में एक शख्स उनसे भिड़ गया और कहा कि मैं तुमसे हाथ तक नहीं मिलाना चाहता। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रूडो अपने समर्थकों का अभिवादन करते दिख रहे हैं। तभी वह एक शख्स की ओर हाथ मिलाने की ओर बढ़ते हैं। हाथ बढ़ाते हुए जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि हेलो, आप कैसे हैं? इस पर वह शख्स गुस्से में कहता है कि मैं तुमसे हाथ भी नहीं मिलाना चाहता। इस तरह वह शख्स अपना हाथ पीछे कर लेता है और जस्टिन ट्रूडो पीछे हट जाते हैं।

जब जस्टिन ट्रूडो नाराज शख्स से पूछते हैं कि ऐसा क्या हो गया है। इस पर वह कहता है, आपने पूरे देश को बर्बाद कर दिया है। यही नहीं इसके आगे ट्रूडो कहते हैं कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है कि देश बर्बाद हो गया। इस पर वह शख्स कहता है कि क्या यहां कोई घर ले सकता है? इस पर जस्टिन

ट्रूडो ने पूरी जिम्मेदारी खुद पर लेने की बजाय राज्य सरकारों पर ठीकरा फोड़ दिया। ट्रूडो ने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार का नहीं है बल्कि राज्य सरकारों को इस पर फोकस करना चाहिए।

दरअसल कनाडा में बीते कुछ सालों से हाउसिंग का संकट पैदा हो गया है। कई राज्यों में इस लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं, लेकिन ट्रूडो सरकार कहती है कि इसकी वजह बड़ी संख्या में विदेशों से लोगों का आना है। खासतौर पर दूसरे देशों के छात्रों के बड़ी संख्या में आने से घरों की मांग तेज हुई है। हाउसिंग संकट ऐसा है कि कनाडा में अब चर्चा होने लगी है कि जस्टिन ट्रूडो सरकार को कंजर्वेटिव पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ता है। जस्टिन ट्रूडो से बहस के दौरान उस शख्स ने कार्बन टैक्स पर भी सवाल उठाया।

सैन फ्रांसिस्को बनेगा मेजबान, होगी जो बाइडेन और शी जिनपिंग की अगले महीने मुलाकात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि व्हाइट हाउस अगले महीने सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच आमने-सामने बैठक की योजना बना रहा है। दोनों देश अशांत संबंधों को स्थिर करना चाहते हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हाल के वर्षों में ताइवान, कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति, जासूसी के आरोप, मानवाधिकार मुद्दे और व्यापार शुल्क सहित कई मुद्दों के कारण संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। वरिष्ठ अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए अखबार ने उनमें से एक के हवाले से कहा कि बैठक की संभावना काफी पक्की थी। अखबार ने अधिकारी के हवाले से कहा कि 'हम योजना बनाने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। वाशिंगटन में चीनी दूतावास ने अखबार की रिपोर्ट पर विशेष रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। दूतावास के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा कि दोनों देश संचार में बने हुए हैं और उन्हें 'सद्भावना' सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। यह बैठक हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच अन्य उच्च स्तरीय बैठकों के बाद होगी, जिसमें जून में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जुलाई में ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन और अगस्त में वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो जैसे अमेरिकी अधिकारियों ने चीन का दौरा किया है। हाल ही में ब्लिंकन ने न्यूयॉर्क में चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने माल्टा में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। बाइडेन और शी की आखिरी मुलाकात पिछले साल नवंबर में इंडोनेशिया में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई थी, जो बिडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी पहली व्यक्तिगत मुलाकात थी।

प्रिगोझिन के प्लेन में रखा था बम ! मौत, पुतिन का खुलासा, किसने मारा?

मास्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को सुझाव दिया कि जिस विमान दुर्घटना में अगस्त में वैगनर के भाड़े के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मौत हुई थी, वह विमान के अंदर विस्फोट करने वाले हथगोले के कारण हुआ था, न कि किसी मिसाइल हमले के कारण। निजी एम्ब्रेयर जेट जिस पर प्रिगोझिन सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा कर रहा था, 23 अगस्त को मास्को के उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो अन्य शीर्ष वैगनर हस्तियों, प्रिगोझिन के चार अंगरक्षकों और चालक दल के तीन सदस्यों सहित सभी 10 लोग मारे गए।

पुतिन ने विमान को अंदर से उड़ाए जाने का सुझाव देते हुए कहा कि रूस की जांच समिति के प्रमुख ने कुछ दिन पहले उन्हें रिपोर्ट दी थी। पुतिन ने सोची के ब्लैक सी रिसॉर्ट में वल्दाई डिस्कशन क्लब की एक बैठक में कहा कि दुर्घटना में मारे गए लोगों के शरीर में हथगोले के टुकड़े पाए गए। विमान पर कोई बाहरी प्रभाव नहीं था यह पहले से ही एक स्थापित तथ्य है। पुतिन ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के दावों को खारिज कर दिया, जिन्होंने दुर्घटना के तुरंत बाद कहा था कि उनका मानना है कि इसे मार गिराया गया था।

पुतिन ने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी कि

कैसे जहाज पर ग्रेनेड या हथगोले से विस्फोट किया गया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दुर्घटना में मारे गए लोगों के शरीर पर शराब और नशीली दवाओं का परीक्षण नहीं करना जांचकर्ताओं की गलती थी। पुतिन ने कहा कि मेरी राय में ऐसी जांच की जानी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सेंट पीटर्सबर्ग में वैगनर के कार्यालयों की तलाशी में एफएसबी सुरक्षा सेवा को 10 अरब रूबल (.100 मिलियन) नकद और 5 किलोग्राम (11 पाउंड) कोकीन मिली थी।

नेपाल में हिंदुओं को पहली बार दौड़ा-दौड़ाकर मारा, बिगड़ते हालात के बीच यूपी के 7 जिलों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तेजी से बढ़ते तनाव के बाद दक्षिण पश्चिम नेपाल के शहर में लॉकडाउन लागू होने और सुरक्षा बढ़ाए जाने के बाद रात शांति से गुजरी। क्षेत्रीय केंद्र शहर नेपालगंज में सप्ताहांत में परेशानी तब शुरू हुई जब एक हिंदू लड़के ने सोशल मीडिया पर मुसलमानों के बारे में एक स्टेटस पोस्ट किया। मुसलमानों ने क्षेत्र के मुख्य सरकारी प्रशासक के कार्यालय भवन के अंदर स्थिति का विरोध किया, सड़कों पर टायर जलाए और यातायात अवरुद्ध कर दिया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने बहराइच जिले की सीमा से लगे नेपाल के बांका जिले में हिंसा के बाद भारत-नेपाल सीमा से लगे राज्य के सात जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है। स्पेशल डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा, उत्तर प्रदेश पुलिस और सशस्त्र सीमा बल की जॉइंट गश्त बहराइच और नेपाल के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे छह जिलों में तेज कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारतीय क्षेत्र में हिंसा न फैले, सीमा पार आवाजाही रोक दी गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस भारतीय क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र सीमा बल और दूसरी केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी भेव के पांच जिले- बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और पश्चिमी क्षेत्र के दो जिले- पीलीभीत और लखीमपुर खीरी, नेपाल के साथ 599 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। बहराइच के स्क्प्रशांत वर्मा ने कहा कि नेपाल के बांका जिले में मंगलवार को सद्भावना रैली के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी।

एक बड़ी हिंदू रैली आयोजित की गई जब तक कि प्रदर्शनकारियों पर पत्थर और बोतलें नहीं फेंकी गईं, जिसके परिणामस्वरूप कुछ लोग मामूली रूप से घायल हो गए। हिंदू विरोध प्रदर्शन पर हमले के बाद राजधानी काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर (250 मील) पश्चिम में नेपालगंज में मंगलवार दोपहर से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था। हिंसा की जो तस्वीरें सामने आई है, उसमें साफ

दिख रहा है कि कट्टरपंथी समूह छतों पर से हिन्दुओं पर पत्थर बरसा रहे हैं। हाथों में धार्मिक ध्वजा लिए हिन्दू भाग रहे हैं और छतों पर से उन पर ईंट-पत्थर बरसाए जा रहे हैं।

मुंबई पुलिस की नासिक में बड़ी कार्रवाई : ड्रग माफिया ललित पाटिल के भाई की फैक्ट्री पर छापा, डेढ़ सौ किग्रा एमडी ड्रग्स जब्त

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर करोड़ों रुपये की ड्रग्स पुलिस ने जब्त की है। मुंबई पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री को ही नष्ट कर दिया है. इस ऑपरेशन के बाद एक बड़े ड्रग रैकेट के सामने आने की संभावना जताई जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले पुणे के ससून अस्पताल से ड्रग माफिया ललित पाटिल पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था. इसके बाद पुलिस नशे के खिलाफ ऑपरेशन को लेकर एक्शन मोड में आ गई है. इसी के मद्देनजर मुंबई की साकीनाका पुलिस ने नासिक शहर पुलिस सीमा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर डेढ़ सौ किलोग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स जब्त किया है. बताया गया है कि श्री. गणेशाय इंडस्ट्रीज ड्रग्स का निर्माण कर रही थी। नासिक के शिंदे पलसे इलाके में ड्रग माफिया ललित पाटिल का भाई भूषण पाटिल इस ड्रग फैक्ट्री को चला रहा था। इसकी जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस ने कार्रवाई की और फैक्ट्री को ही नष्ट कर दिया. करीब तीन दिनों से चल रही इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने कर्मचारियों समेत कंपनी मालिक को हिरासत में ले लिया है. बहरहाल महाराष्ट्र में एक बड़े ड्रग रैकेट का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है. साथ ही नासिक पुलिस ने शहर के वडालागांव इलाके के सादिक नगर में ड्रग्स बेच रही एक महिला और एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है. उनसे लगभग 2 लाख रूपये मूल्य का 54.5 ग्राम एम.डी. ड्रग्स और मारिजुआना जब्त किया गया है.

अकेले सफर करने वाली महिला यात्रियों को यह सुविधा देने जा रही एयर इंडिया

नई दिल्ली । एयर इंडिया को केंद्र सरकार से खरीदने के बाद से ही टाटा लगातार बदलाव कर रही है। कंपनी ने अब अकेले सफर करने वाली महिला यात्रियों के लिए नई सुविधा देने की बात कही है। एयरलाइन ने निर्देश में कहा है कि अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं को फ्लाइट में पहुंचने के बाद भी अपनी सीट बदलने का मौका मिलेगा। ऐसी महिला यात्रियों को विंडो या फिर एस्ले सीट दी जा सकती है। कंपनी की ओर से कहा गया है, कि हम अपने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हैं। इसकारण एयरलाइन ने जेंडर सेंसटिव सीट ऑप्शन चुनने की सुविधा देने की शुरुआत की है। कंपनी की ओर से 3 अक्टूबर को जारी सर्कुलर में कहा गया है कि अब महिला यात्री को फ्लाइट में पहुंचने के बाद भी अपने लिए सीट का विकल्प चुनने का मौका दिया जाएगा। यह कदम सफर के दौरान महिला और पुरुष यात्रियों के बीच उठने वाले किसी भी विवाद को टालने के लिए किया जा रहा हैं। एयर इंडिया ने बताया है कि इसके लिए केबिन क्रू सदस्यों को पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी और अकेले सफर करने वाली महिलाओं को विंडो या फिर एस्ले सीट दिलाने के लिए उन्हें अन्य यात्रियों से अनुरोध करना होगा। अगर अकेले सफर कर महिला की सीट बीच में पड़ती है और उसके दोनों तरफ पुरुष यात्रियों की सीट होगी, तब ऐसी महिला यात्री को विंडो या फिर किनारे की सीट ऑफर की जा सकती है। इस काम के लिए केबिन क्रू पुरुष यात्रियों से अपनी सीट बदलने का अनुरोध करेगा। अगर कोई महिला छोटे बच्चे के साथ यात्रा कर रही है, तब उस भी सीट बदलने का विकल्प दिया जा सकता है। एयर इंडिया ने कहा है कि अगर कोई बच?चा अकेले सफर कर रहा है, तब उस बीच की सीट ऑफर की जा सकती है। इसके बाद बच्चे को विंडो या एस्ले के बजाए बीच की सीट ऑफर की जाएगी और उसके पास भी फ्लाइट में पहुंचने के बावजूद अपनी सीट बदलने का मौका मिलेगा। यह कदम पुरुष और महिला यात्रियों के बीच किसी भी तरह की विवाद की स्थिति से बचने के लिए उठाया जा रहा है। एयर इंडिया का कहना है कि उसके पास ऐसी सैकड़ों शिकायतें आई हैं, जहां अकेले सफर कर रही महिलाओं की सीट अगर बीच में रहती है, तब उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ा है। इसके बाद एयरलाइन ने इस जेंडर सेंसटिव मानकर सीट में बदलाव करने का ऑ?शन दिया है।

'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने का मामला : उच्चतम न्यायालय ने मप्र, राजस्थान सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर दोनों राज्य की सरकारों से शुक्रवार को जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जनहित याचिका पर केंद्र, निर्वाचन आयोग तथा भारतीय रिजर्व बैंक को भी नोटिस जारी किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि दोनों राज्य की सरकारें मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए करदाताओं के पैसों का दुरुपयोग कर रही हैं। याचिकाकर्ता की पैरवी करने वाले वकील ने कहा, 'चुनाव से पहले सरकार द्वारा नकदी बांटने से ज्यादा खराब और कुछ नहीं हो सकता। हर बार यह होता है और इसका बोझ आखिरकार करदाताओं पर आता है।' पीठ ने कहा, 'नोटिस जारी करिए। चार सप्ताह के भीतर जवाब दीजिए।' न्यायालय ने भट्टूलाल जैन की जनहित याचिका पर सुनवाई की और इसे मामले पर लंबित एक अन्य याचिका के साथ नत्थी करने का आदेश दिया।

तेलंगाना ने सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' शुरू की

हैदराबाद। तेलंगाना में शुक्रवार को स्कूली छात्रों के लिए 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' शुरू की गई। इस योजना का उद्देश्य करीब 23 लाख सरकारी स्कूली छात्रों को भोजन उपलब्ध कराना है। के. टी. रामाराव समेत तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने औपचारिक रूप से विभिन्न जगहों पर योजना की शुरुआत की। योजना की शुरुआत के बाद सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री रामा राव ने कहा कि योजना समूचे राज्य में 27,147 सरकारी स्कूलों में लागू होगी। रामा राव ने कहा, 'नाश्ता बहुत लजीज है और इसका स्वाद भी बहुत अच्छा है।' उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि भोजन की गुणवत्ता बनी रहे और गुणवत्ता का बार-बार और नियमित रूप से परीक्षण करने के लिए नमूने एकत्र किए जाएं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में इसी तरह की एक योजना पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक के स्कूली बच्चों के लिए लागू की जा रही है। हालांकि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव चाहते थे कि इसे कक्षा 10 तक के छात्रों के लिए लागू किया जाए। राज्य सरकार ने पहले 24 अक्टूबर, विजयादशमी के दिन से पहली कक्षा से 10वीं तक के स्कूली बच्चों के लिए इसे शुरू करने की योजना बनाई थी। हालांकि इसे पहले लागू कर दिया गया। एक सरकारी आदेश में पहले कहा गया था कि यह योजना सभी कार्य दिवसों पर सरकारी और स्थानीय निकायों के स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्रों पर लागू होगी।

बंगाल : राजभवन के बाहर टीएमसी का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में पार्टी के कार्यकर्ताओं का केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल का महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का बकाया कथित तौर पर रोके जाने के खिलाफ यहां राजभवन के बाहर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। उन्होंने राज्यपाल सी वी आनंद बोस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात न करने तक धरना जारी रखने का आह्वान किया है। उत्तर बंगाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के बाद बोस बृहस्पतिवार शाम को दिल्ली रवाना हो गए। टीएमसी के हजारों पदाधिकारियों और शीर्ष नेतृत्व ने केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल का मनरेगा बकाया कथित तौर पर रोके जाने के विरोध में बृहस्पतिवार को ब्रिटिशकालीन राजभवन तक मार्च किया जिसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने धरना प्रदर्शन शुरू किया। डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद बनर्जी रात भर धरना स्थल पर रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं यहां रहूंगा और जब तक माननीय राज्यपाल हमारे प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात नहीं करते और इन दो सवालों का जवाब नहीं देते तब तक एक इंच भी नहीं हिलेंगे।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'दिल्ली में अपनी आवाज उठाने के बाद हम भाजपा के जमींदारों से न्याय मांगते हैं। लोकतंत्र के स्वयंभू संरक्षकों को लोगों को जवाब देने में कितना वक्त लगेगा? आप कब तक लोगों से भागते रहेंगे?' बनर्जी ने भविष्य की कार्रवाई पर फैसला लेने के लिए बृहस्पतिवार रात को पार्टी नेताओं के साथ बैठकें की थी। उन्होंने कहा था, 'राज्यपाल के आने और मुलाकात करने तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।' पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता प्रदर्शन स्थल पर डटे रहे। शुक्रवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों से पार्टी के हजारों कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन के प्रति एकजुटता जताई।

चुनाव से पहले गुपचुप तरीके से 50 करोड़ लोगों को साधने में जुटी मोदी सरकार

-केंद्र की दो योजनाएं साबित हो सकती हैं मॉस्टर स्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार 2024 के चुनाव से पहले चुपचाप एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार कर रही है। एक तरफ मोदी सरकार ने उज्ज्वला स्कीम के तहत एलपीजी सिलेंडर लेने वाले लोगों के लिए 300 रुपये की अतिरिक्त छूट का ऐलान किया है। वहीं 1 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स को लोन भी बांट रही है। मोदी सरकार की ओर से 3 अक्टूबर को शेयर किए गए डेटा के मुताबिक अब तक पीएम स्वनिधि स्कीम के तहत 50 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को लोन बांटे जा चुके हैं। इसके तहत मोदी सरकार अधिकतम 50 हजार रुपये तक का लोन बिना किसी गारंटर के दे रही है।

माना जा रहा है कि इस योजना से मोदी सरकार जाति और धर्म से परे एक बड़े तबके को लुभाने की तैयारी में है। इस स्कीम को मोदी सरकार ने कोरोना काल में शुरू किया था और इसके तहत 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता लोन के तौर पर दी गई थी। अब इसी स्कीम में लोन की रकम को 50 हजार रुपये तक करने का फैसला हुआ है। एक तरफ पीएम स्वनिधि स्कीम के 1 करोड़ लाभार्थी तैयार करने का टारगेट और दूसरी तरफ उज्ज्वला स्कीम के 9.60 करोड़ लोगों को 300 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलना एक बड़ा कदम है।

दरअसल इन्हीं दो स्कीमों के जरिए भाजपा कमजोर तबके में जमीन तैयार करने की कोशिश में है। इन दो स्कीमों से लगभग 10 करोड़ परिवारों को टारगेट करने की कोशिश है। 10 करोड़ परिवार का मतलब हुआ कि सरकार लगभग 50 करोड़ लोगों तक पहुंच बना रही है। वहीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना के द्वारा वह पहले से ही किसानों को लुभाने की कोशिश में है। यही नहीं चर्चा है कि उस स्कीम के तहत भी किसानों को मिलने वाली रकम को बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल इस योजना के तहत साल में 3 बार 2,000 रुपये की रकम किसानों को मिलती है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत सरकार 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रुपये के लोन दे रही है। ये लोन रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए कैपिटल मनी के तौर पर दिए जा रहे हैं। सरकार ने इस स्कीम में साल के अंत तक 1 करोड़ लोन बांटने का लक्ष्य तय किया है।

विपक्ष को कमजोर करने के लिए गलत मामले थोपे जा रहे हैं, डर का माहौल पैदा किया जा रहा है : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं और पार्टियों पर नकेल कसने और धमकी देने की कोशिश के तहत उनके खिलाफ गलत मामले थोपे जा रहे हैं और 'डर का माहौल' पैदा किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई कई छापेमारी की कार्रवाई पर पत्रकारों के सवालों के जवाब में ये बातें कहीं। केजरीवाल ने कहा, 'हम देख रहे हैं कि किस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं और विपक्षी पार्टियों को काबू में रखने तथा धमकाने के प्रयास के तहत गलत मामले थोपे जा रहे हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल करने के लिए लोगों को 'बांटा' जा रहा है जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। वर्ष 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित धन शोधन जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) द्वारा आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के दो दिन बाद केजरीवाल की यह टिप्पणी सामने आई है। केजरीवाल ने दावा किया कि न सिर्फ विपक्षी दलों के नेताओं बल्कि कई कारोबारियों को भी 'निशाना बनाया जा रहा है'। उन्होंने कहा, 'देश में डर का माहौल पैदा किया जा रहा है जो न सिर्फ राजनीति में बल्कि कारोबार और उद्योग जगत में भी फैल रहा है। डर का यह माहौल देश के लिए ठीक नहीं है। देश इस तरह से विकास नहीं कर सकता। इस तरह से 'एजेंसी-एजेंसी' खेलने से देश का विकास नहीं होगा।' मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली में गाजीपुर 'लैंडफिल' साइट का दौरा करने के दौरान पत्रकारों से बात की।

नक्सलवाद पर सख्त मोदी सरकार, अमित शाह बोले-

दो वर्ष में देश से पूरी तरह खत्म हो जाएगा वामपंथी उग्रवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नक्सल प्रभावित राज्यों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जहां 2010 की तुलना में 2022 में हिंसक घटनाओं में 77 प्रतिशत की कमी आई है। समीक्षा बैठक में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और झारखंड के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। बैठक में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी शामिल हुए, वहीं ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राज्य के मंत्रियों ने किया। इस दौरान गृह मंत्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद मानवता के लिए अभिशाप है और हम इसे इसके सभी रूपों में उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि दो वर्ष में देश से वामपंथी उग्रवाद का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश में वामपंथी उग्रवाद सुरक्षा स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्र सरकार ने 2015 में 'एलडब्ल्यूई से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' को मंजूरी दी थी। अधिकारियों ने कहा कि नीति में सुरक्षा संबंधी उपायों, विकास हस्तक्षेपों, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने आदि को शामिल करते हुए एक बहु-आयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि इस नीति के दृढ़ कार्यान्वयन से देश भर में वामपंथी हिंसा में लगातार गिरावट आई है। परिकल्पना में सुरक्षा संबंधी उपाय, विकास संबंधी कामकाज, स्थानीय समुदायों के अधिकार और हकदारी सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इस नीति के लगातार कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप देश भर में वामपंथी उग्रवाद की हिंसा में लगातार कमी आई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसक घटनाओं की संख्या में 2010 के उच्च स्तर के मुकाबले 2022 में 77 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2010 की तुलना में 2022 में सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौतों की संख्या में भी 90 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 2014 तक, वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 17,679 घटनाएं हुईं और 6,984 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2014 से 2023 तक (15 जून 2023 तक) वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 7,649 घटनाएं हुई हैं और 2,020 मौतें हुई हैं।

शरद पवार ने दिल्ली में की खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि खड़गे के आवास पर तीनों नेताओं की बैठक हुई। यह बैठक उस समय हुई है जब भोपाल में होने वाली विपक्ष की जनसभा रद्द हो गई और अभी यह तय नहीं है कि 'इंडिया' गठबंधन की अगली बैठक या सभा कहां होगी।

अगले आम चुनाव में मोदी सरकार का मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने 'इंडिया' का गठन किया है। इंडिया' के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था।

समन्वय समिति विपक्षी गठबंधन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था के रूप में कार्य करेगी। इसी साल जून में पटना में विपक्षी गुट की पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्येक सीट से सबसे मजबूत उम्मीदवार को चुना जाएगा।

जातीय जनगणना के आंकड़ों प्रकाशित करने पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

पटना (एजेंसी)। बिहार जातीय जनगणना के आंकड़ों प्रकाशित करने पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि हम राज्य सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से रोक नहीं सकते। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जाएगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को नोटिस जारी कर अगले साल जनवरी तक जवाब देने कहा है।

न्यायमूर्ति संजय खन्ना और न्यायमूर्ति एस एन भट्टी ने पटना उच्च न्यायलाय के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक औपचारिक नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने बिहार में जाति सर्वेक्षण की मंजूरी दी थी। शीर्ष न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया कि राज्य सरकार ने कुछ आंकड़ें प्रकाशित कर स्थगन आदेश की अवहेलना की और मांग की कि आंकड़ों को प्रकाशित किए जाने पर पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ''हम अभी किसी चीज पर रोक नहीं लगा रहे हैं। हम राज्य सरकार या किसी भी सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से नहीं रोक सकते। यह गलत होगा...हम इस सर्वेक्षण को कराने के राज्य सरकार के अधिकार से संबंधित अन्य मुद्दे पर गौर करने को तैयार है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा कि मामले में निजता का उल्लंघन हुआ और उच्च न्यायालय का आदेश गलत है। इस पर पीठ ने कहा कि चूंकि किसी भी व्यक्ति का नाम तथा अन्य पहचान प्रकाशित नहीं की गई है, तब निजता के उल्लंघन की दलील संभवत- सही नहीं है। न्यायालय ने कहा, ''अदालत के लिए विचार करने का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दा आंकड़ों का विवरण और जनता को इसकी उपलब्धता है।

छत्तीसगढ़ में प्रियंका गांधी का ऐलान, दोबारा सरकार बनाती है तो जाति आधारित गणना कराएंगे

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सत्ता में आने पर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में जाति सर्वेक्षण कराएगी। कांग्रेस शासित राज्य में इस साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के साथ चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के शासनकाल में राज्य में हिंसा का शासन चल रहा था। उन्होंने कहा कि निर्दोष आदिवासियों को जेल में डाल दिया गया और यह कांग्रेस का शासन था जिसने ÷हिंसा के जाल÷ को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि लोग सीएम भूपेश बघेल की छत्तीसगढ़ सरकार पर उनके काम के कारण भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं घोषणा करती हूं कि अगर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में दोबारा सरकार बनाती है तो हम बिहार की तरह राज्य में भी जाति जनगणना कराएंगे।

प्रियंका गांधी ने कहा, 'मध्य प्रदेश में मुझे बताया गया कि पंचायत की शक्तियां कम की जा रही हैं और उनका फंड भी कम कर दिया गया है।' उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) शुरू करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने लिए 8,000 करोड़ रुपये के दो विमान खरीदे, 20,000 करोड़ रुपये की नई संसद बनाई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने उस समय को याद किया जब उनकी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राज्य का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि न केवल उनके परिवार के सदस्य, बल्कि कांग्रेस पार्टी के नेता भी लोगों से जुड़ने के लिए राज्य में आए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि समय के साथ ही भरोसा पैदा होता है....आज अगर आपको छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर भरोसा है तो इसलिए कि यहां की मौजूदा सरकार कांग्रेस की एक पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। मेरे परिवार का छत्तीसगढ़ से पुराना नाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पं. नेहरू यहां आये थे। मेरी दादी इंदिरा जी ने 1972 में बस्तर का दौरा किया था। मेरे पिता और माँ ने भी छत्तीसगढ़ के लोगों की समस्याओं को समझने और परामर्श लेने के लिए कई बार बस्तर का दौरा किया। इस तरह छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी पर भरोसा बना। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने लोगों को रोजगार देने के लिए बड़े-बड़े पीएसयूएस बनाए थे, बीजेपी ने उन्हें बेचकर रोजगार के अवसर खत्म कर दिए। लोगों को खेती-किसानी से रोजगार मिलता था, लेकिन मोदी सरकार ने डीजल-पेट्रोल, खाद में जीएसटी लगाकर खेती को महंगा कर दिया। देश के किसानों को कमजोर कर दिया। बीजेपी को जनता की भलाई में कोई दिलचस्पी नहीं है।

5 राज्यों में चुनाव की घोषणा शीघ्र, मप्र-राजस्थान में एक तथा छग में 2 चरणों में हो सकते है चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये आज दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक होने वाली है। सूत्रों के अनुसार नवंबर दूसरे हफ्ते से दिसंबर के पहले हफ्ते में अलग-अलग तारीखों और चरणों में इन राज्यों में मतदान हो सकता है। पहले की तरह राजस्थान, मप्र, मिजोरम व तेलंगाना में एक चरण में चुनाव की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में मतदान हो सकता है। हालांकि मतदान की तारीख अलग-अलग हो सकती हैं। सभी चुनावी राज्यों की मतगणना एक साथ हो सकती है। इस बैठक में 5 राज्यों के करीब 9 सौ चुनावी ऑब्जर्वर शामिल हैं। बैठक में जनरल ऑब्जर्वर, एक्सपेंडिचर और सिक्योरिटी ऑब्जर्वर भी मौजूद रहेंगे। यह बैठक दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में चल रही है जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त भी शामिल हैं। मप्र विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। इसकी सभी 230 सीटों पर नवंबर 2023 में या उससे पहले चुनाव का ऐलान हो सकता है। एमपी में पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर 2018 में हुआ था। उस चुनाव में कांग्रेस ने सरकार बनाई थी और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने थे। मार्च 2020 में 22 कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था और ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद कमलनाथ की सरकार गिर गई थी और उन्हे इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद भाजपा ने एमपी में सरकार बनाई थी और शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने थे। इस साल के आखिर में राजस्थान विधानसभा का चुनाव भी होना है। अनुमान है कि राज्य की 200 सीटों पर नवंबर 2023 में या उससे पहले चुनाव हो सकते हैं। राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल 14 जनवरी 2024 को खत्म होने वाला है। पिछला विधनसभा चुनाव दिसंबर 2018 में हुआ था, जिसके बाद अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बने थे। मप्र और राजस्थान जैसे ही छत्तीसगढ़ की 90 सीटों पर भी इस साल के अंत में ही चुनाव होने हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा का कार्यकाल 3 जनवरी 2024 को खत्म होगा। पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर 2018 में हुआ था। इस चुनाव में कांग्रेस जीती और भूपेश बघेल राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। इसी तरह मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर 2023 को खत्म होने वाला है। राज्य में पिछला विधानसभा चुनाव नवंबर 2018 में हुआ था जिसमें मिजो नेशनल फ्रंट ने राज्य में सरकार बनाई थी।

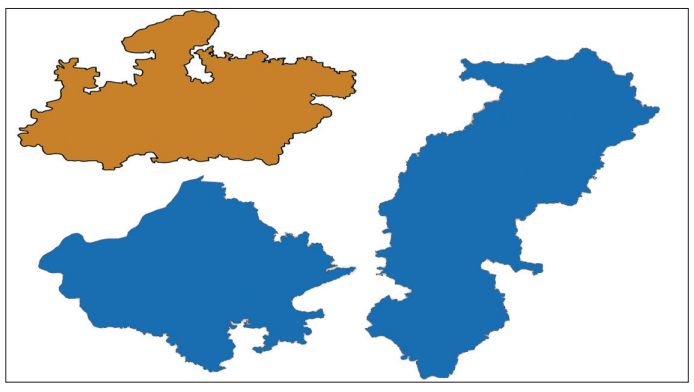

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

राजस्थान से मंगाई गई शराब और बीयर सहित 27 लाख रुपये का मालसामान जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : सरोली पुलिस ने शराब से लदा कंटेनर जब्त किया

राजस्थान से मंगाई गई शराब और बीयर सहित 27 लाख रुपये का मालसामान जब्त

शराब से लदा कंटेनर और गिरफ्तार चालक

गुजरात में शराबबंदी कानून है फिर भी अलग-अलग इलाकों से लाखों रुपये की शराब पकड़े जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सूरत के सरोली थाना क्षेत्र से गुजरते वक्त पुलिस को एक कंटेनर से 1,99,700 रुपये की शराब और बीयर मिली। पुलिस ने कंटेनर चालक झिनकन वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। श्रवण नाम के शख्स को वांटेड घोषित किया गया है। पुलिस ने कंटेनर समेत कुल 27 लाख से ज्यादा का माल जब्त कर लिया।

सूरत के सरोली पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों को सूचना मिली कि सरोली ऑर्बिट टावर चौराहे के पास एक वाहन में शराब की तस्करी होने वाली है। सूचना के आधार पर सरोली थाने के पुलिस कर्मियों द्वारा इस स्थान पर निगरानी रखी गई। पुलिस ने ऑर्बिट टावर सर्कल की ओर से आने वाली सड़क से एक हरियाणा पंजीकरण कंटेनर को रोका,कंटेनर के अंदर जांच की गई तो 1533 नंग शराब के अलग-अलग ब्रांड के पाउच और 464 बीयर केन बरामद किए गए।

शराब कि किमत 1,53,300 और बीयर कि किमत 46,400 रुपये है। इस प्रकार पुलिस ने 1,99,700 की शराब और बीयर जब्त की है। जिस कंटेनर से शराब ढोई जाती थी वह 25 लाख की कंटेनर समेत कुल 27,05,700 की शराब और बीयर जब्त की है। पुलिस ने कंटेनर चालक झिनकन वर्मा को शराब और बीयर के साथ गिरफ्तार कर लिया है और श्रवण नाम के शख्स को वांछित घोषित कर दिया है।

पुलिस जांच में पता चला कि कंटेनर का ड्राइवर झिनकन अयोध्या उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। यह शराब वह राजस्थान से लाया था। पुलिस इस बात की जांच करेगी कि यह शराब किसने मंगाई थी इससे पहले कितनी बार इस तरह से शराब की हेराफेरी की है और उसे शराब किसे देनी थी।

पांडेसरा स्थित कैलाशनगर सोसायटी में चल रहे अवैध निर्माण तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत महानगर पालिका के उधना जोन-ए में आरक्षण की जगह पर आवासीय भवन बनाकर बेचने की काफी शिकायतें मिल रही हैं। जिसमें तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद से उधना जोन में इस मामले की कई शिकायतें मिलीं।

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि उधना जोन-ए के कुछ इलाकों में सूरत नगर निगम की जानकारी के बिना कई लोग गारंटी देकर काम पूरा कराने का ठेका ले रहे हैं। जिसमें मौखिक रूप से यह गारंटी भी दी जाती है कि सूरत नगर पालिका की ओर से निर्माण पर कोई काम नहीं किया जाएगा। ताकि निर्माण करने वाले लोग बिना देरी के काम शुरू कर सकें। कई सोसायटी इस तरह से काम कर रही हैं। जिसमें राजनीतिक अनुशंसा कर कोई कार्रवाई नहीं की जाती, समाज के अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष और कुछ कार्यकारी अनुशंसा कर अपने हितों की रक्षा करते हैं.

प्रेम जाल में फंसाकर उसका धर्म परिवर्तन कराने की घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : लव जिहाद का चौंकाने वाला मामला,रिजवान ने करण नाम से नाबालिग को बहला-फुसलाकर किया दुष्कर्म

जांच में पता चला कि हिंदू लड़की से शादी करने का मतलब है धर्म का प्रचार करना और पैसा कमाना

सूरत से लव जिहाद की एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां वर्ष 2018 में एक विधर्मी युवक द्वारा नाम बदलकर एक हिंदू लड़की को प्रेम जाल में फंसाने का मामला सामने आया है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है कि लड़की को दिल्ली ले जाकर दुष्कर्म किया गया और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के लिए प्रताड़ित किया गया।

जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा में रहने वाली एक लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर उसका धर्म परिवर्तन कराने की घटना घटी है। जांच में पता चला है कि आरोपी रिजवान गफ्फार ने अपना नाम बदलकर करण रखा और युवती को प्रेम जाल में फंसाया। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह उसे दिल्ली ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया और उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला और उसे मानसिक यातना दी। नाबालिग ने उस समय एक अजन्मे बच्चे को जन्म दिया। जिसके बाद नाबालिग को उत्तर प्रदेश ले जाया गया।

विधर्मी रिजवान शेख ने नाबालिग से कहा कि हिंदू लड़कियों से शादी करने पर हमें अधिक पैसा मिलता है, मुझे और पैसे की जरूरत है। हिंदू लड़कियों से शादी करने से हमारे धर्म का अच्छे से प्रचार होता है। हिंदू लड़कियों से शादी करने के लिए एक विधर्मी को धन मुहैया कराया गया था। पुलिस की ओर से इस बात की जांच की गई है कि फंडिंग कौन कर रहा है। पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है। पुलिस को शक है कि लव जिहाद की सोची-समझी साजिश रची गई है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

शहरीकरण और प्रदूषण के कारण पक्षियों की संख्या में चिंताजनक गिरावट,श्राद्ध पक्ष में घर में कौवे नहीं आते

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से सूरत सीमेंट कंक्रीट का जंगल बनता जा रहा है। शहरीकरण का असर हिंदुओं के लिए पवित्र माने जाने वाले श्राद्ध पक्ष पर देखने को मिल रहा है। पेड़ों की संख्या घटती जा रही है और इमारतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसलिए यदि आप पितरों को श्राद्ध भोग देने के बाद घर की छत पर घंटों इंतजार करते बैठते हैं, तो भी कौवे दिखाई नहीं देते हैं, इस लिए कौवों को भोग लगाने के लिए तापी नदी के ब्रिज पर जाना पड़ता है।

आजकल चल रहे श्राद्ध पक्ष में हर किसी के घर में जिस रिश्तेदार की मृत्यु हो गई हो उसकी तिथि के अनुसार या श्राध्द के अंतिम दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए भोग लगाया जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौआ, कुत्ता और गाय को श्राध्द का भोग लगाने की प्रथा आज भी देखी जाती है। सूरतियों ने श्राद्ध पक्ष की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सूरत सीमेंट-कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो रहा है, यहां पेड़ कट रहे हैं और इमारतें बन रही हैं। इसके कारण कई पक्षियों के घोंसले भी हट जाते हैं। इसमें सामने आया है कि सबसे ज्यादा असर कौवों, कोयल और गौरैया की संख्या पर पड़ा है।

वर्तमान में श्राद्ध पक्ष में सूरती लोग अपने घर में दूध पूरी और अन्य भोजन बनाते हैं और उसे तीन भागों में बांटते हैं, पहला कौवे को, दूसरा कुत्ते को और तीसरा गाय को, और फिर खुद भी श्राद्ध का भोजन खाते हैं। हालांकि शहर में कुत्ते और गाय आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन सूरतियों के लिए कौवे ढूंढना मुश्किल हो रहा है। लोग अपने घर या इमारत की छत पर घंटों खड़े रहते हैं लेकिन कौवे नहीं आते। कई लोग कौवों को खिलाने केबाद ही खाते हैं, इसलिए लोग कौवों को ढूंढने के लिए तापी ब्रिज पर आते हैं। तापी नदी पर बने पुल की पाली पर अब कई दूध पुरी का भोग नजर आने लगे हैं।

सुरक्षित डिजिटल भविष्य के लिए भारत के सहकारी बैंकों को बदलाव :फीनिक्स टेक्नोसाइबर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। जैसा कि सभी जानते हैं, अक्टूबर को दुनिया भर में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। फीनिक्स टेक्नोसाइबर ने इस उल्लेखनीय महीने का जश्न मनाने के लिए सहकारी बैंकों की साइबर सुरक्षा बढ़ाने पर सूरत के वराछा कॉ. ऑपरेटिव बैंक की सरथाणा शाखा में एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पूरे भारत से २०० बैंकरों और १५० बैंकों ने भाग लिया।

गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों जैसे विभिन्न राज्यों के बैंकर इस कार्यशाला का हिस्सा बने, जिसने सहकारी बैंकों की साइबर सुरक्षा प्रणालियों को बदलने के महत्व पर प्रकाश डाला। सहकारी बैंक भारत के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे अनगिनत व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के लिए जीवन रेखा हैं। हालाँकि, डिजिटल प्रगति के साथ, हर क्षेत्र को आधुनिक परिवर्तनों के अनुकूल होने की आवश्यकता है। सहकारी बैंक भी इससे अछूते नहीं हैं।

कार्यशाला के एजेंडे नीचे विस्तार से उल्लिखित हैं:

कार्यशाला के एजेंडे:

- प्रमुख साइबर जोखिम और प्रतिउपाय
- साइबर खतरा परिदृश्य
- साइबर सुरक्षा सर्वोत्तम प्रथाएँ
- डिजिटल बैंकिंग के लिए आरबीआई मार्गदर्शन और अनुपालन
- डिजिटल परिवर्तन के लिए बजट
- हालिया विकास और चुनौतियाँ
- डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023
- रबी निरीक्षण एवं आईटी परीक्षा

कार्यशाला में सहकारी बैंकों की वर्तमान साइबर सुरक्षा प्रणालियों के प्रमुख मुद्दों, मजबूत सुरक्षा उपाय करने के महत्व और इन बैंकों के साइबर वातावरण को सुरक्षित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला गया। फीनिक्स टेक्नोसाइबर के विशेषज्ञों ने उपरोक्त सभी विषयों पर विस्तार से प्रस्तुति दी। प्रत्येक विषय पर प्रस्तुति का विवरण साझा किया गया । कार्यशाला में सहकारी बैंकों के साइबर सुरक्षा उपायों में सुधार के लिए प्रत्येक आवश्यक विषय को शामिल किया गया। मौजूदा साइबर सुरक्षा मुद्दों को सुर्खियों में लाने से लेकर, इसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि क्या सुरक्षात्मक उपाय किए जा सकते हैं।

भारत में सहकारी बैंकों को अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए डिजिटल परिवर्तन को अपनाना होगा और लचीलापन बनाना होगा। फीनिक्स टेक्नोसाइबर जैसी प्रौद्योगिकियों की मदद से मजबूत साइबर सुरक्षा उपाय करना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि भारत की बैंकिंग प्रणाली चुनौतियों का सामना करने में मजबूत बनी रहे और डिजिटल युग में भारतीय आबादी को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करती रहे।

महिला के गले से सोने की चेन तोड़कर दो बाइक सवार फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : सब्जी खरीद रही महिला के गले से सोने की चेईन छीनी गई लॉरी से सब्जी लेकर मोपेड पर बैठ रही महिला के गले से सोने की चेन तोड़कर दो बाइक सवार फरार महिला के गले से सोने की चेईन खिंचता युवक

सूरत के अडाजण कोलीवाड में सब्जी खरीदने निकली एक महिला और बाइक पर दो आदमी भाग रहे थे, इसका सीसीटीवी सामने आया है। आज सुबह हुई इस घटना की महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मनाली पटेल ने बताया कि युवक टमाटर लेने के बहाने उनके पास खड़ा था। जैसे ही मैं मोपेड पर बैठी, उसने मेरे गले में हाथ डाला और चेन तोड़ ली। हालाँकि मैंने चेन पकड़ रखी थी तो आधी ही तोड पाया। तभी युवक कुछ दूरी पर खड़ी बाइक पर बैठकर भाग गया।

मनाली कल्पेन पटेल ने बताया कि घटना आज सुबह की है। मैं अडाजण कोलीवाड में घर के पास मोपेड पर सब्जियां लेने गई थी। मोपेड खड़ी कर सड़क पार करने के बाद बाइक सवार दो युवकों में से एक उतर गया। फिर मैं सब्जी वाली लॉरी के पास गईऔर वह युवक भी मेरे पीछे आया। मै टमाटर के भाव ताल कर रही थी तभी वह मुझ पर नजर रखे हुए था। मैं सब्जी लेकर मोपेड पर बैठी तो उसने तुरंत मेरी गर्दन पर हाथ रखा और चेन पकड़ ली। मैंने भी गर्दन पर हाथ रखकर चेन बचाने की कोशिश की। हालांकि, चेन टूटने से आधी चेन उनके हाथ में आ गिरी। इससे पहले कि कुछ समझ आता युवक भागने लगा। महिला के चोर-चोर चिल्लाने पर एक राहगीर ने उसे पकड़ने की कोशिश भी की। हालांकि दोनों युवक कुछ ही दूरी पर खड़ी बाइक पर बैठकर भागने में सफल रहे। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। तुरंत सीसीटीवी अडाजण पुलिस को दिया और शिकायत दर्ज कराई। महिला एक गृहिणी है और उसका पति एक टेक्सटाइल इंजीनियर है।

बच्ची ने छिपकली पकड़ ली और उसे चबाने लगी, इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कडोदरा में एक बार फिर माता-पिता के लिए आंखे खोलने का मामला सामने आया है। मां घर का काम कर रही थी, तभी ७ महीने का बच्चा खेलते-खेलते छिपकली को भोजन समझकर चबाने लगी। बच्ची को छिपकली चबाते देख मां घबरा गई। बाद में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कड़ोदरा इलाके की नीलकंठ सोसायटी में एक 7 महीने की बच्ची छिपकली चबाने लगी। अकाउंटेंट का काम करने वाले अभिषेक सिंह की 7 महीने की बेटी नितारा घर में अकेली खेल रही थी। इसी दौरान एक छिपकली उसके पास से गुजर रही थी। लड़की ने खेल-खेल में छिपकली को पकड़कर सीधे अपने मुंह में डाल लिया और छिपकली को चबाने लगी। बच्ची की मां घर के काम में व्यस्त होने के कारण पूरी बात नहीं जान पाई, लेकिन बच्ची के हाथ में चबाई हुई छिपकली देखकर मां के होश उड़ गए। बच्चे को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। हालाँकि, छिपकली जैसी चीज़ को चबाने के बाद बच्ची कोआगे के इलाज के लिए तुरंत सूरत के सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

फिलहाल बच्ची का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है, उसका स्वास्थ्य स्थिर है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे